दैनिक
साकार भारत
रायपुर-आरएनआई रजि. CHHBIL/2023/88684
वर्ष : 3 अंक : 191 पृष्ठ : 8 मुल्य: 1:00 रायपुर, बुधवार 22 जुलाई, 2026 www.sakarbharat.com

वास्तु गुरुजी

वास्तु हेतु संपर्क करें...
मो.नं. 9074110000 9770888888

सरकार की पहली प्राथमिकता छात्रों का भविष्य सुरक्षित रखना : मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि पेपर लीक का मुद्दा केवल किसी एक राज्य या केंद्र सरकार तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे देश की चिंता का विषय है। जैसे ही सरकार को पेपर लीक की जानकारी मिली, तुरंत कार्रवाई की गई और अब तक इस मामले में 13 आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने मंगलवार को एनडीए के 'मंगल मिलन' कार्यक्रम के बाद मीडिया को बैठक की जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री ने कहा है कि पेपर लीक जैसे गंभीर अपराध में शामिल लोगों को कड़ी से कड़ी सजा दिलाने के लिए देश के वरिष्ठ वकीलों को भी आगे आना चाहिए, ताकि भविष्य में ऐसे अपराध करने वालों के मन में कानून का डर पैदा हो। रिजिजू के मुताबिक, प्रधानमंत्री ने कहा है कि सरकार की पहली प्राथमिकता छात्रों का भविष्य सुरक्षित रखना है। इसी वजह से नीट की दोबारा परीक्षा जल्द कराई गई और उसका परिणाम भी बिना किसी देरी के घोषित किया गया, ताकि छात्रों का शैक्षणिक भविष्य प्रभावित न हो।

उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री ने स्पष्ट किया कि पेपर लीक रैकेट में शामिल जिन लोगों की पहचान हुई है, उन्हें गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। अब सरकार यह सुनिश्चित करना चाहती है कि दोषियों को इतनी सख्त सजा मिले कि भविष्य में कोई भी इस तरह का अपराध करने की हिम्मत न करे।

किरेन रिजिजू ने कहा कि प्रधानमंत्री का मानना है कि पेपर लीक केवल किसी एक राज्य या केंद्र सरकार का विषय नहीं है, बल्कि यह पूरे देश और युवाओं के भविष्य से जुड़ा मामला है। इसलिए सभी राज्यों और सभी राजनीतिक दलों को इस अपराध के खिलाफ एकजुट होकर कार्रवाई करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि यह किसी दलगत राजनीति का मुद्दा नहीं, बल्कि देश और युवाओं के भविष्य की सुरक्षा का सवाल है।

प्रधानमंत्री ने यह भी कहा है कि सरकार सिर्फ भविष्य में पेपर लीक रोकने का भरोसा ही नहीं दे रही, बल्कि देश के युवाओं को विश्व स्तर पर नेतृत्व करने के लिए भी तैयार कर रही है। उन्होंने कहा है कि भारत के युवा विभिन्न क्षेत्रों में लगातार शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं और सरकार का पूरा ध्यान उनके भविष्य को मजबूत बनाने पर है।

SHORT NEWS

दिल्ली में पीएम आवास के बाहर राहुल और प्रियंका का धरना

दिल्ली में मंगलवार को राजनीतिक माहौल काफी गरमा गया है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस नेता पीएम आवास के बाहर धरने पर बैठे हैं। इसमें प्रियंका गांधी, मल्लिकार्जुन खरगे, चरणजीत सिंह चन्नी, विनोद जाखड़ समेत कई कांग्रेस नेता शामिल है।

बता दें कि पीएम आवास के बाहर सेंसेटिव जोन होने के कारण प्रदर्शन की अनुमति नहीं होती है। इसलिए प्रदर्शन कर रहे कांग्रेस नेताओं को हटाने के लिए पुलिस फोर्स पहुंच गई है। बताया जा रहा है कि पुलिस ने सांसद चरणजीत सिंह चन्नी समेत कई कांग्रेसियों को हिरासत में लिया है।

मुख्यमंत्री ने ऑडिटोरियम और एथलेटिक्स ट्रैक की घोषणा की

दुर्ग में नीट-जेईई छात्रों के लिए छात्रावास, आधुनिक कम्पोजिट कार्यालय भवन बनेगा

रायपुर। शिक्षा का उद्देश्य केवल परीक्षा में अच्छे अंक लाना नहीं, बल्कि बच्चों में नैतिक मूल्यों, वैज्ञानिक सोच, सामाजिक संवेदनशीलता और राष्ट्रभावना का विकास करना है। शिक्षा संस्कारित समाज, सशक्त राष्ट्र और विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण की सबसे मजबूत आधारशिला है।

राज्य सरकार का संकल्प है कि प्रदेश का कोई भी बच्चा संसाधनों या अवसरों के अभाव में अपने सपनों से वंचित न रहे। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, आधुनिक अधोसंरचना, तकनीकी संसाधन और समान अवसर उपलब्ध कराकर प्रदेश की नई पीढ़ी को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज दुर्ग जिले के पाटन विकासखंड स्थित स्वामी आत्मानंद शासकीय उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय, जामगांव (एम) में आयोजित राज्य स्तरीय शाला प्रवेशोत्सव 2026-27 को संबोधित करते हुए यह बात कही।

मुख्यमंत्री ने शाला प्रवेशोत्सव कार्यक्रम के प्रारंभ में विद्यालय में पहली बार प्रवेश लेने वाले नन्हे बच्चों का तिलक लगाकर एवं मुंह मीठा कराकर स्वागत किया। उन्होंने बच्चों को आशीर्वाद देते हुए कहा कि वे मन लगाकर अध्ययन करें, बड़े सपने देखें और अपने ज्ञान, प्रतिभा एवं संस्कारों से परिवार, समाज, प्रदेश और देश का नाम रोशन करें। उन्होंने कहा कि बच्चों की मुस्कान और उनकी आंखों में बसे सपने ही विकसित छत्तीसगढ़ के उज्ज्वल भविष्य की नींव हैं। मुख्यमंत्री ने कक्षा पहली, छठवीं एवं नवमी के चयनित विद्यार्थियों को निःशुल्क पाठ्य-पुस्तकें, गणवेश एवं स्कूल बैग वितरित किए। साथ ही कक्षा नवमी की छात्राओं को साइकिल प्रदान कर उन्हें उच्च शिक्षा के लिए निरंतर आगे बढ़ने का संदेश दिया।

उन्होंने राष्ट्रीय साधन सह प्रवीण्य छात्रवृत्ति परीक्षा 2025-26 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए कहा कि प्रतिभा किसी क्षेत्र या परिस्थिति की मोहताज नहीं होती, आवश्यकता केवल सही अवसर और उचित मार्गदर्शन की होती है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने युक्तियुक्तकरण के माध्यम से शिक्षा व्यवस्था में ऐतिहासिक सुधार किए हैं।

आज प्रदेश का कोई भी विद्यालय शिक्षक विहीन नहीं है। दूरस्थ एवं वनांचल क्षेत्रों तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पहुंचाने के लिए निरंतर कार्य किया जा रहा है। बस्तर के जगरगुंडा जैसे क्षेत्रों में एजुकेशन हब विकसित किए जा रहे हैं, ताकि वहां के बच्चों को भी बड़े शहरों जैसी शैक्षणिक सुविधाएं उपलब्ध हो सकें।

मुख्यमंत्री साय की चार बड़ी घोषणाएं मुख्यमंत्री ने दुर्ग जिले के लिए शिक्षा एवं खेल अधोसंरचना से जुड़ी चार महत्वपूर्ण घोषणाएं की। उन्होंने शिक्षा विभाग के संयुक्त संचालक, जिला शिक्षा अधिकारी एवं विकासखंड शिक्षा अधिकारी कार्यालयों के स्थान पर आधुनिक कम्पोजिट कार्यालय भवन के निर्माण की घोषणा की।

72वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार में 'रामनामी' की चमक, समुदाय ने जताया मुख्यमंत्री का आभार

सारंगढ़-बिलाईगढ़। छत्तीसगढ़ की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और भगवान राम के प्रति अटूट आस्था को दर्शाने वाली 'रामनामी' डॉक्यूमेंट्री को 72वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार में सम्मान मिलने पर रामनामी समाज में खुशी की लहर है। जिले के चंदलीडीह गांव में बसे रामनामी समुदाय के लोगों ने इस उपलब्धि पर केंद्र और राज्य सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया।

रामनामी समाज के सचिव गुलाराम रामनामी ने बताया कि यह सम्मान केवल उनके समाज के लिए ही नहीं, बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ और देश के लिए गौरव का विषय है। उन्होंने कहा कि डॉक्यूमेंट्री में भगवान राम के प्रति रामनामी समाज की गहरी आस्था, प्रेम, आध्यात्मिक परंपराओं और छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोक-सांस्कृतिक विरासत को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया गया है।

उन्होंने बताया कि प्रसिद्ध फिल्मकार भारतबाला गणपति और उनकी टीम ने इस डॉक्यूमेंट्री का निर्माण किया है। फिल्म के माध्यम से रामनामी समाज की अनूठी पहचान और भगवान राम के प्रति उनके समर्पण को राष्ट्रीय स्तर पर पहुंचाने का प्रयास किया गया है, जिसे राष्ट्रीय स्तर पर सराहना मिली है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने भी इस उपलब्धि पर खुशी जताते हुए कहा कि रामनामी समाज की परंपरा श्रद्धा, समर्पण और भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों का जीवंत प्रतीक है। उन्होंने कहा कि यह डॉक्यूमेंट्री छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक विरासत को देश-दुनिया तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण माध्यम बनी है।

आज साय कैबिनेट की अहम बैठक, कई बड़े फैसलों पर लग सकती है मुहर

रायपुर। छत्तीसगढ़ की साय सरकार की अगली मंत्रिपरिषद बैठक 22 जुलाई 2026 को सुबह 11:30 बजे मंत्रालय महानदी भवन में आयोजित होगी। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय इसकी अध्यक्षता करेंगे। बैठक में विभिन्न विभागों से जुड़े महत्वपूर्ण प्रस्तावों और जनहित से संबंधित मुद्दों पर चर्चा होने की संभावना है।

हालांकि, बैठक का विस्तृत एजेंडा अभी जारी नहीं किया गया है। प्रशासनिक स्तर पर तैयारियां शुरू हो चुकी हैं और माना जा रहा है कि इस दौरान सरकार कई अहम निर्णयों को मंजूरी दे सकती है, जिनका प्रदेशवासियों पर सीधा प्रभाव पड़ स

मुख्यमंत्री साय करेंगे बैठक की अध्यक्षता

सरकारी सूत्रों के अनुसार, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय बैठक की अध्यक्षता करेंगे। मंत्रिपरिषद की इस बैठक में प्रदेश के विभिन्न विभागों से जुड़े महत्वपूर्ण प्रस्तावों और नीतिगत मामलों पर चर्चा होने की संभावना जताई जा रही है। हालांकि, बैठक के विस्तृत एजेंडे की आधिकारिक जानकारी अभी सार्वजनिक नहीं की गई है। इसके बावजूद माना जा रहा है कि राज्य के विकास, प्रशासनिक सुधारों और जनहित से जुड़े विषयों पर मंत्रियों के बीच मंथन हो सकता है।

रायपुर निगम मुख्यालय के सामने 14 दुकानें सील:लाइसेंस फीस जमा नहीं करने पर एक्शन

रायपुर। रायपुर नगर निगम मुख्यालय के सामने उद्यान परिसर में लाइसेंस फीस का बकाया भुगतान नहीं करने पर 14 दुकानों को सील कर दिया गया है। यह कार्रवाई रायपुर पुलिस कमिश्नर संजीव शुक्ला और कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह के आदेश और निगम आयुक्त संबित मिश्रा के निर्देश पर की गई।

निगम के अनुसार, निगम मुख्यालय भवन के सामने स्थित उद्यान परिसर में गणपति इंफ्रा को 5 साल के लिए 14 दुकानों के संचालन का लाइसेंस दिया गया था। यह लाइसेंस अगस्त 2026 में समाप्त होने वाला है। लेकिन संबंधित एजेंसी की ओर से नियमानुसार लाइसेंस फीस का बकाया भुगतान नहीं किया जा रहा था।

नियमों के उल्लंघन पर कार्रवाई

बकाया राशि जमा नहीं होने पर निगम ने टीम प्रहरी अभियान के तहत कार्रवाई की। इस दौरान उपायुक्त उद्यान जागृति साहू के मार्गदर्शन और उप अभियंता उद्यान रुचिका मिश्रा की मौजूदगी में दुकानों को सीलबंद किया गया।

इस कार्रवाई के दौरान नगर निगम उद्यान विभाग, नगर निवेश उड़नदस्ता टीम और पुलिस बल मौजूद रहा। निगम अधिकारियों ने बताया कि बकाया भुगतान और नियमों के उल्लंघन के मामलों में आगे भी नियमानुसार कार्रवाई जारी रहेगी।

राज्यपाल को प्रमुख लोकायुक्त ने सौंपा आयोग का वार्षिक प्रतिवेदन

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका से मंगलवार को लोकभवन में प्रमुख लोकायुक्त इंदर सिंह उबोवेजा ने भेंट की। उन्होंने राज्यपाल को छत्तीसगढ़ लोक आयोग के गतिविधियों की जानकारी दी और आयोग का वर्ष 2025-26 का वार्षिक प्रतिवेदन सौंपा। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ लोक आयोग के सचिव दीपक अग्रवाल, उप सचिव चित्रलेखा सोनवानी, कानूनी सलाहकार अजीत कुमार राजभानु एवं आयोग के अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

शिक्षा विभाग में बड़ा फेरबदल, सहायक ग्रेड-1 से भृत्य तक के कर्मचारियों का ट्रांसफर

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार ने स्कूल शिक्षा विभाग में प्रशासनिक आधार पर कर्मचारियों के तबादले किए हैं। विभाग द्वारा जारी अलग-अलग आदेशों के तहत सहायक ग्रेड-1, सहायक ग्रेड-2, सहायक ग्रेड-3 और भृत्य वर्ग के कर्मचारियों को नई पदस्थापना दी गई है। सभी स्थानांतरण तत्काल प्रभाव से प्रभावी होंगे।

शिक्षा विभाग ने जारी की नई ट्रांसफर लिस्ट

स्कूल शिक्षा विभाग ने 20 जुलाई 2026 को स्थानांतरण आदेश जारी करते हुए कई कर्मचारियों की नई पदस्थापना की है। विभाग ने प्रशासनिक आवश्यकता को देखते हुए अलग-अलग आदेश जारी किए हैं। आदेश के अनुसार संबंधित कर्मचारियों को तत्काल नई पदस्थापना स्थल पर कार्यभार ग्रहण करना होगा। जारी आदेशों में सहायक ग्रेड-1, सहायक ग्रेड-2, सहायक ग्रेड-3 और भृत्य वर्ग के कर्मचारियों को शामिल किया गया है। इन कर्मचारियों की वर्तमान पदस्थापना बदलते हुए नई जगह पदस्थ किया गया है।

अब स्कूली किताबों में गूंजेगी बेमेतरा के 'गंगाराम' की गाथा, 175 साल तक इंसानों का साथी रहा मगरमच्छ, ग्रामीणों के हाथ से खाता था दाल-चावल

इन पदों के कर्मचारियों का हुआ तबादला

सरकार द्वारा जारी सूची में निम्न पदों के कर्मचारियों के तबादले किए गए हैं-

- सहायक ग्रेड-1
- सहायक ग्रेड-2
- सहायक ग्रेड-3
- भृत्य

विभाग की ओर से जारी आदेश में अलग-अलग जिलों में पदस्थ कर्मचारियों को नई जिम्मेदारी सौंपी गई है। इनमें जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय, विकासखंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय और विभिन्न शासकीय स्कूलों में कार्यरत कर्मचारी शामिल हैं।

जिला कैडर के कर्मचारियों को मिलेगा पूर्ववत लाभ

स्कूल शिक्षा विभाग ने अपने आदेश में स्पष्ट किया है कि जिन कर्मचारियों के पद जिला कैडर के हैं, उन्हें वरिष्ठता, पदोन्नति और अन्य सेवा संबंधी सभी लाभ पहले की तरह मिलते रहेंगे। स्थानांतरण केवल प्रशासनिक व्यवस्था के तहत किया गया है और इससे कर्मचारियों के सेवा अधिकार प्रभावित नहीं होंगे।

इन कर्मचारियों को मिली नई पदस्थापना

जारी आदेशों में विनीत डेविड (सहायक ग्रेड-1), उर्मिला त्रिपाठी, ऋतुराज कौशिक, अविनाश चंद्राकर, तोषण दास माणिकपुरी, घनश्याम पटेल, कमलेश कुमार साहू, तोमन लाल माहले, नीलकंठ साहू, रामायण लाल सेन, नेहा गंगवार, वासुदेव बंजारे तथा चाणक्य विश्वकर्मा (भृत्य) सहित अन्य कर्मचारियों के नाम शामिल हैं, जिन्हें नई पदस्थापना दी गई है।

20 जुलाई को जारी हुए आदेश

स्कूल शिक्षा विभाग की ओर से यह आदेश 20 जुलाई 2026 को मंत्रालय, महानदी भवन, नवा रायपुर अटल नगर से जारी किए गए हैं। आदेशों की प्रतिलिपि संबंधित कलेक्टर, जिला शिक्षा अधिकारी, संभागीय संयुक्त संचालक, जिला कोषालय अधिकारी और अन्य संबंधित कार्यालयों को भेजते हुए आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं।

नीचे देखें पूरी ट्रांसफर लिस्ट

स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा जारी आधिकारिक सूची में सभी कर्मचारियों के नाम, वर्तमान पदस्थापना और नई पदस्थापना का पूरा विवरण उपलब्ध है। संबंधित कर्मचारी विभाग द्वारा जारी आधिकारिक ट्रांसफर लिस्ट में अपना नाम और नई पोस्टिंग की जानकारी देख सकते हैं।

छत्तीसगढ़ के 11 नगरीय निकायों के कंप्यूटर ऑपरेटरों को बड़ी राहत, बकाया वेतन व बहाली पर हाईकोर्ट का सरकार को निर्देश

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने राज्य के 11 नगरीय निकायों में लगभग 10 वर्षों से कार्यरत कंप्यूटर आपरेटरों को राहत दी है। कोर्ट ने उनकी सेवा समाप्ति और कई महीनों से लंबित वेतन के मामले में केंद्र सरकार और राज्य शहरी विकास अभिकरण को छह सप्ताह में निर्णय लेने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने कर्मचारियों को नया विस्तृत अभ्यावेदन प्रस्तुत करने की अनुमति देते हुए कहा कि संबंधित सक्षम अधिकारी कानून के अनुरूप मेरिट के आधार पर उस पर विचार कर तर्कसंगत आदेश पारित करें।

जस्टिस बिभु दत्त गुरु की एकल पीठ ने अमित कुमार वर्मा सहित 11 कंप्यूटर आपरेटरों द्वारा दायर याचिका की सुनवाई के दौरान यह आदेश पारित किया। राज्य, केंद्र सरकार तथा अन्य संबंधित विभागों की ओर से उपस्थित अधिवक्ताओं ने कहा कि यदि कर्मचारी नया अभ्यावेदन प्रस्तुत करते हैं तो सक्षम प्राधिकारी उस पर निर्धारित समय-सीमा में विधि अनुसार निर्णय लेने को तैयार हैं। दोनों पक्षों की सहमति और कर्मचारियों के लंबित वेतन के मुद्दे को देखते हुए हाईकोर्ट ने याचिका का निपटारा करते हुए निर्देश दिया।

सर्वसम्मति से हुआ चयन, नई कार्यकारिणी का भी हुआ गठन

छुईखदान । छुईखदान कुर्मी समाज की बैठक में सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारी रामकुमार चंद्राकर को सर्वसम्मति से समाज का नया अध्यक्ष चुना गया। इस अवसर पर समाज की नई कार्यकारिणी का भी गठन किया गया। नई कार्यकारिणी में अशोक चंद्राकर को उपाध्यक्ष, पवन चंद्राकर को सचिव, लोकेश चंद्राकर को कोषाध्यक्ष तथा दीपक देशमुख को मीडिया प्रभारी की जिम्मेदारी सौंपी गई। कार्यक्रम में पूर्व अध्यक्ष योगेश चंद्राकर ने नव-निर्वाचित अध्यक्ष रामकुमार चंद्राकर को विधिवत पदभार सौंपा। इसके बाद समाज के वरिष्ठजनों एवं सदस्यों ने तिलक लगाकर, पुष्पमाला पहनाकर और शुभकामनाएं देकर उनका स्वागत किया। इस अवसर पर समाज के सदस्यों ने विश्वास व्यक्त किया कि रामकुमार चंद्राकर के नेतृत्व में कुर्मी समाज को नई दिशा और गति मिलेगी तथा समाज के संगठन को और अधिक मजबूती प्राप्त होगी। बैठक में पंकज चंद्राकर, विकास चंद्राकर, नारद चंद्राकर, रूपेश चंद्राकर, मनीष चंद्राकर, पंडूब चंद्राकर, नरेश चंद्राकर सहित बड़ी संख्या में समाज के सदस्य उपस्थित रहे।

20 साल से बंदोबस्त और चकबंदी की राह देख रहा सोनपुरी, राज्यपाल से लगाई न्याय की गुहार

खैरागढ़ । विकासखंड खैरागढ़ के ग्राम सोनपुरी में पिछले करीब 20 वर्षों से लंबित बंदोबस्त एवं चकबंदी का मामला एक बार फिर प्रमुखता से उठाया गया है। ग्रामवासियों की लंबे समय से चली आ रही इस गंभीर समस्या के समाधान के लिए एक प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल से सौजन्य भेंट कर ज्ञापन सौंपते हुए शीघ्र हस्तक्षेप की मांग की। प्रतिनिधिमंडल में पूर्व विधायक कोमल जंघेल , सरपंच प्रतिनिधि गुनेश वर्मा, रोहित जंघेल एवं विनोद वर्मा शामिल रहे। उन्होंने राज्यपाल को बताया कि ग्राम सोनपुरी में वर्षों पहले भूमि का तबादला (आवंटन/हस्तांतरण) तो कर दिया गया, लेकिन आज तक संबंधित किसानों के नाम पर नामांतरण की प्रक्रिया पूरी नहीं हो

सकी है। इसके कारण ग्रामीणों को खेती-किसानी से लेकर राजस्व संबंधी कार्यों में लगातार परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि नामांतरण नहीं होने के कारण किसान अपनी भूमि के दस्तावेजों से जुड़े कई जरूरी कार्य नहीं करा पा रहे हैं। इससे कृषि ऋण, सरकारी योजनाओं का लाभ लेने और अन्य राजस्व प्रक्रियाओं में भी बाधाएं उत्पन्न हो रही हैं। ग्रामीण वर्षों से राजस्व विभाग के कार्यालयों के चक्कर काट रहे हैं, लेकिन समस्या का स्थायी समाधान अब तक नहीं हो पाया है। राज्यपाल ने प्रतिनिधिमंडल की बात गंभीरता से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई करने तथा मामले के शीघ्र निराकरण की दिशा में पहल करने का आश्वासन दिया। प्रतिनिधिमंडल ने विश्वास जताया कि राज्यपाल के हस्तक्षेप से सोनपुरी के बंदोबस्त एवं चकबंदी की वर्षों पुरानी प्रक्रिया में तेजी आएगी और ग्रामीणों को लंबित नामांतरण की समस्या से राहत मिलेगी। वहीं, ग्रामवासियों ने भी इस पहल का स्वागत करते हुए उम्मीद जताई है कि दो दशक से लंबित उनकी मांग अब जल्द पूरी होगी और उन्हें अपनी जमीन का वैधानिक अधिकार प्राप्त हो सकेगा।

मुख्यमंत्री हेल्पलाइन बनी सहारा, शमाबाई रामटेके की वर्षों पुरानी समस्या का हुआ समाधान

छुईखदान । मुख्यमंत्री हेल्पलाइन आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित समाधान का प्रभावी माध्यम बन रही है। इसका एक सकारात्मक उदाहरण शमाबाई कुमुद रामटेके छुईखदान टिकरी पारा वार्ड 14 निवासी के मामले में देखने को मिला, जिनका आधार कार्ड लंबे समय से नहीं बन पा रहा था। कई बार प्रयास करने और संबंधित कार्यालयों के चक्कर लगाने के बावजूद उनकी समस्या का समाधान नहीं हो सका था। समस्या के निराकरण की उम्मीद में शमाबाई कुमुद रामटेके ने मुख्यमंत्री हेल्पलाइन में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत प्राप्त होते ही संबंधित अधिकारियों द्वारा हितग्राही से दूरभाष के माध्यम से

संपर्क कर उनकी समस्या की जानकारी ली गई और आवश्यक कार्रवाई शुरू की गई। त्वरित पहल करते हुए शमाबाई रामटेके के आधार कार्ड से संबंधित समस्या का समाधान किया गया। इस दौरान आधार कार्ड में दर्ज पते की त्रुटि को भी सुधारा गया तथा उनका बायोमेट्रिक अपडेट कराया गया। आवश्यक प्रक्रियाएं पूर्ण होने के बाद उनका कार्य सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

रक्षाबंधन पर बिखरेगा हरियाली का संदेश

रायपुर । रक्षाबंधन पर केवल भाई-बहन का प्रेम ही नहीं, बल्कि प्रकृति और पर्यावरण के संरक्षण का संदेश भी दिया जा सकता है। पेड़ों को राखी बांधकर उन्हें अपनी रक्षा का वचन देना और मिट्टी से बने इको-फ्रेंडली पौधे वाली राखियों का इस्तेमाल पर्यावरण को हरा-भरा रखने में मदद करता है। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में स्व-सहायता समूहों की दीदियां इस बार रक्षाबंधन के पर्व को प्रकृति संरक्षण से जोड़ने की एक अनूठी मिसाल पेश कर रही हैं। कलेक्टर श्री मयंक चतुर्वेदी के मार्गदर्शन में जिला पंचायत रायगढ़ और राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान के सहयोग से जिले भर में पर्यावरण-अनुकूल बीज राखियां तैयार की जा रही हैं। फेंकने पर अंकुरित होंगे देसी बीज इन राखियों की सबसे विशेष बात यह है कि इन्हें धान, मक्का, भुट्टा, सेमी, करेला और बरबटी जैसे विभिन्न देसी बीजों से बेहद आकर्षक ढंग से बनाया जा रहा है। यदि त्योहार के बाद यह राखी मिट्टी में मिल जाती है या बाहर फेंक दी जाती है, तो इसमें लगे बीज अंकुरित होकर पौधे का रूप ले लेंगे। इससे भाई-बहन के अटूट प्रेम के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिलेगा। गांव-गांव में दिख रहा उत्साह जिले के सभी सातों विकासखंडों में इस अभियान को लेकर महिलाओं में भारी उत्साह है।

सेमराडीह में अल्ट्राटेक ने गर्भवती व शिशुवती माताओं को बांटी पोषण किट

बलौदाबाजार । अल्ट्राटेक सीमेंट लिमिटेड, कुकुरदी सीमेंट वर्क्स के निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व विभाग द्वारा सोमवार को ग्राम सेमराडीह के आंगनबाड़ी केंद्र क्रमांक-2 में गर्भवती एवं शिशुवती माताओं के लिए पोषण किट वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान 16 महिलाओं को चना, सोयाबीन, गुड़, मूंगफली और खजूर सहित पौष्टिक खाद्य सामग्री से युक्त पोषण किट प्रदान की गई।

कंपनी के अनुसार अभियान की शुरुआत 18 जुलाई को ग्राम ढनढनी से हुई थी। छह ग्रामों की आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा उपलब्ध कराई गई सूची के आधार पर कुल 130 गर्भवती एवं शिशुवती महिलाओं को चरणबद्ध तरीके से पोषण किट वितरित की जा रही है। अभियान का उद्देश्य मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य को बेहतर बनाना, कुपोषण व एनीमिया की रोकथाम करना तथा महिलाओं को संतुलित एवं पौष्टिक आहार के प्रति जागरूक करना है। सीएसआर प्रमुख राजेन्द्र कुशवाहा ने कहा कि स्वस्थ माताएं और बच्चे ही सशक्त समाज की आधारशिला हैं। उन्होंने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में मातृ एवं शिशु

स्वास्थ्य सुधार के लिए कंपनी लगातार प्रयास कर रही है।

कार्यक्रम में सरपंच प्रमिला वर्मा, पंच उत्तरा बाई ध्रुव, राजेश्वरी बघेल, गायत्री वर्मा, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं ग्रामीण उपस्थित रहे। कार्यक्रम के सफल संचालन में सीएसआर टीम के दया वर्मा, परमेश्वर साहू, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, पंचायत प्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों का विशेष सहयोग रहा।

दो सौ बालिकाओं को बैंक आफ बड़ोदा ने दिया कापी, पेन, पहाड़ा

बालोद । बालिका शिक्षा प्रोत्साहन एवं हेलमेट जागरूकता प्रशिक्षण कार्यक्रम रिसोर्स सेन्टर गुण्डरदेही में चार सौ स्वयं सेवी समाजिक महिला कमाण्डो प्रशिक्षित हुई। पूर्व में सात ग्राम हेलमेट वाला ग्राम बनाने में सफलता मिली है। इसका सोचना यह है कि अगर बाइक चालक के पास हेलमेट होगा तभी उनको हेलमेट लगाकर वाहन चलाने के प्रेरित करना ठीक रहेगा। इसी तरह से बढ़ती हुई लापरवाही पर अंकुश लगाया जा सकेगा। साथ ही यातायात नियमों से भी लोगों को जागरूक करने संबंधि चर्चा किया गया। बालिका शिक्षा प्रोत्साहन जन भागीदारी एक पेन, एक पहाड़ा, एक कापी दान स्वरूप प्राप्त कर दान दताओ के हाथो से ही शिक्षक गण? की उपस्थिति में बालिकाओं को प्रदान किया जा रहा है पद्म श्री शमशाद बेगम ने बतलाया उक्त अभियान में स्वयं सेवी सामाजिक महिला कमाण्डो अपनी महती भूमिका का निर्वहन कर रही है। यह सब कार्य गाँधीवादी तरीके से किया जा रहा है।

भाठागांव(आर) सरस्वती शिशु मंदिर में स्वच्छता का संदेश

बालोद । पर्यावरण गतिविधि व संरक्षण ठीम, जिला बालोद के द्वारा स्वच्छता के विषय में सरस्वती शिशु मंदिर भाठागांव अरूण व उदय के भैया बहनों को हाथ धोने के लिए हाथों रगड़ कर गीत के माध्यम से प्रेरित किया साथ में खेल खेल में सिखाया गया सुबह उठाने के बाद ब्रश करना , रोज नहाना और साफ कपडें का उपयोग करना, सप्ताह में नाखून काटना ताकि उसमें गंदगी न जमे, आसपास की सफाई, अपने कक्ष भी सफाई रखना,कूड़ा को कूड़ादान मे डालना ,घर में भी शौचालय के बाद हाथों को हमेशा साबुन से रगड़ कर धोना , कहानियों के माध्यम कैसे बीमारियां फैलाते हैं जैसे सर्दी-खांसी, पेट दर्द हो जाता है साफ-सफाई केवल एक आदत नहीं, बल्कि स्वस्थ जीवन ,बेहतर समाज और उज्जवल भविष्य का आधार है साथ में पर्यावरण संरक्षण में सभी का योगदान होना चाहिए सीडबॉल निर्माण, बीजरोपण ,वृक्षारोपण सभी परिवार में भी गतिविधि कर सकते है विनोद कुमार साहू भैया जी द्वारा संदेश दिया गया इस कार्यक्रम में सरस्वती शिशु मंदिर के प्रधानाचार्य कौशल कुमार जागड़े, आचार्य गण खिलेश्वर सेन,चन्द्रा साहू, रश्मि साहू, गुणिता साहू , दुर्गेश्वरी साहू, डिलेवरी देवांगन, कुसुम ठाकुर, कंचन यादव, नीलम साहू, खिलेश्वरी रात्रे ,भारती साहू ,समिति परिवार का सहयोग रहा।

यातायात व्यवस्था को मिलेगी नई रफ्तार, एसपी गौरव राय ने 10 नई पेट्रोलिंग बाइक को दिखाई हरी झंडी

बलौदाबाजार । जिले में यातायात व्यवस्था को अधिक सुगम, सुरक्षित और प्रभावी बनाने की दिशा में बलौदाबाजार-भाटापारा पुलिस ने महत्वपूर्ण पहल की है। सोमवार को पुलिस कार्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक गौरव राय ने यातायात पुलिस बेड़े में शामिल 10 नई पेट्रोलिंग मोटरसाइकिलों को हरी झंडी दिखाकर गश्त एवं ड्यूटी के लिए रवाना किया।

पुलिस विभाग के अनुसार नई मोटरसाइकिलों के शामिल होने से यातायात पुलिस की त्वरित प्रतिक्रिया क्षमता बढ़ेगी। ट्रैफिक जाम, सड़क दुर्घटनाओं एवं अन्य आपात स्थितियों में पुलिस टीम कम समय में मौके पर पहुंच सकेगी। साथ ही शहर और आसपास के व्यस्त मार्गों, प्रमुख चौराहों तथा दुर्घटना संभावित ब्लैक स्पॉट्स पर नियमित एवं सघन गश्त की जाएगी। एसपी गौरव राय ने कहा कि जिले में लगातार बढ़ रहे वाहनों

के दबाव और यातायात संबंधी चुनौतियों से निपटने के लिए आधुनिक संसाधनों की उपलब्धता आवश्यक है। नई पेट्रोलिंग बाइक से यातायात पुलिस की गतिशीलता बढ़ेगी, जिससे ओवरस्पीडिंग, बिना हेलमेट वाहन चलाने तथा अन्य यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई की जा सकेगी। इससे सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने और नागरिकों को सुरक्षित एवं सुगम आवागमन उपलब्ध कराने में भी मदद मिलेगी।

इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिषेक सिंह, उप पुलिस अधीक्षक (यातायात) संजय साहू, उप पुलिस अधीक्षक राजेश श्रीवास्तव, रक्षित निरीक्षक उषा ठाकुर, एमटीओ प्रभारी नायर सहित जिला पुलिस एवं यातायात शाखा के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

लालूटोला स्कूल में सरकारी पुस्तकें कबाड़ी को बेचने के मामले में बड़ी कार्रवाई, प्रधान पाठक निलंबित

छुरिया । विकासखंड छुरिया अंतर्गत शासकीय प्राथमिक शाला लालूटोला में सरकारी पुस्तकों को कबाड़ी को बेचे जाने के मामले में जिला शिक्षा अधिकारी, राजनांदगांव ने बड़ी विभागीय कार्रवाई करते हुए प्रधान पाठक श्रीमती कजला महिलांगे को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। यह कार्रवाई विकासखंड शिक्षा अधिकारी, छुरिया द्वारा प्रस्तुत जांच प्रतिवेदन के आधार पर की गई है।

जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा 17 जुलाई 2026 को जारी आदेश में उल्लेख किया गया है कि नि:शुल्क पाठ्य पुस्तकों के अपलेखन (निस्तारण) की निर्धारित प्रक्रिया पूर्ण किए बिना उन्हें कबाड़ी को विक्रय किया गया। आदेश के अनुसार यह कृत्य पदीय कर्तव्यों के प्रति घोर लापरवाही, भंडार क्रय नियमों का स्पष्ट उल्लंघन, शासकीय संपत्ति का दुरुपयोग कर शासन को आर्थिक क्षति पहुंचाने तथा स्वेच्छाचारिता को प्रदर्शित करता है, जो प्रथम दृष्टया कदाचार की श्रेणी में आता है।

आदेश में यह भी उल्लेख है कि संबंधित कृत्य छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (आचरण) नियम, 1965 के नियम-3 के विपरीत है। इसी आधार पर छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम, 1966 के नियम-9 के तहत प्रधान पाठक को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है।

गौरतलब है कि शासकीय प्राथमिक शाला लालूटोला में कबाड़ी की गाड़ी बुलवाकर पुरानी सरकारी पुस्तकों को बेचने का मामला फोटो-वीडियो के साथ सामने आया था। मामला सामने आने के बाद शिक्षा विभाग ने पहले संबंधित शिक्षकों से स्पष्टीकरण मांगा, फिर तीन सदस्यीय जांच दल गठित

कर पूरे प्रकरण की जांच कराई। जांच टीम ने विद्यालय पहुंचकर संबंधित लोगों के बयान दर्ज किए, अभिलेखों की जांच की और अपना प्रतिवेदन विकासखंड शिक्षा अधिकारी को सौंपा। जांच प्रतिवेदन के आधार पर अब जिला शिक्षा अधिकारी ने यह निलंबन आदेश जारी किया है। डोंगरगढ़ रहेगा निलंबन अवधि का मुख्यालय आदेश के अनुसार निलंबन अवधि में प्रधान पाठक श्रीमती कजला महिलांगे का मुख्यालय कार्यालय विकासखंड शिक्षा अधिकारी, डोंगरगढ़ निर्धारित किया गया है। निलंबन अवधि में उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ते की पात्रता होगी।

अब आगे की कार्रवाई पर निगाहें प्रधान पाठक के निलंबन के बाद अब सभी की नजर शिक्षा विभाग की अगली कार्रवाई पर टिकी है।

मत्स्य पालन बना समृद्धि का आधार, प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना से बदली सुरेन्द्र नाग की जिंदगी

नारायणपुर। जिले के दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों में आजीविका के नए अवसर सृजित करने और किसानों की आय बढ़ाने के उद्देश्य से संचालित प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना आज कई परिवारों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रही है। यह योजना केवल मत्स्य उत्पादन बढ़ाने तक सीमित नहीं है, बल्कि ग्रामीणों को आत्मनिर्भर बनाने और उनके आर्थिक भविष्य को मजबूत करने का प्रभावी माध्यम भी बन रही है। ग्राम करलखा, विकासखंड एवं जिला नारायणपुर के निवासी सुरेन्द्र नाग इसकी एक प्रेरणादायी मिसाल हैं, जिन्होंने शासन की योजना का लाभ लेकर अपनी आर्थिक स्थिति को नई दिशा दी है।

कुछ वर्ष पहले तक सुरेन्द्र नाग की आय के सीमित साधन थे। पारंपरिक खेती पर निर्भर रहने के कारण परिवार की आवश्यकताओं की पूर्ति करना चुनौतीपूर्ण था। ऐसे समय में उन्हें मत्स्य विभाग के माध्यम से प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना की जानकारी मिली। योजना के तहत वर्ष 2022-23 में उन्होंने अपनी निजी भूमि पर 1.00 हेक्टेयर जलक्षेत्र में तालाब

निर्माण का प्रस्ताव तैयार किया। लगभग 7.00 लाख रुपये की लागत से निर्मित इस तालाब के लिए उन्हें 4.20 लाख रुपये का शासकीय अनुदान प्राप्त हुआ, जबकि 2.80 लाख रुपये उन्होंने स्वयं के अंशदान के रूप में निवेश किए। शासन के सहयोग और अपनी मेहनत से तैयार हुआ यह तालाब उनके जीवन में आर्थिक परिवर्तन का आधार बन गया।

तालाब निर्माण के बाद सुरेन्द्र नाग ने वैज्ञानिक पद्धति से मत्स्य पालन शुरू किया। मत्स्य विभाग के अधिकारियों द्वारा समय-समय पर उन्हें तकनीकी मार्गदर्शन एवं प्रशिक्षण प्रदान किया गया, जिससे उन्होंने आधुनिक तरीके अपनाते हुए बेहतर उत्पादन प्राप्त किया। वर्तमान में उनके तालाब से प्रतिवर्ष लगभग 1000 से 2000 किलोग्राम मछली तथा लगभग 150 किलोग्राम झींगा का उत्पादन हो रहा है। इससे उन्हें प्रतिवर्ष लगभग 2.50 लाख से 3.50 लाख रुपये तक की अतिरिक्त आय प्राप्त हो रही है। इस आय ने उनके परिवार की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ बनाया है और जीवन स्तर में उल्लेखनीय सुधार आया है।

जिले में कलेक्टर नम्रता जैन के निर्देशन में विभिन्न हितग्राही मूलक योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा रहा है, ताकि पात्र हितग्राहियों तक योजनाओं का लाभ समय पर पहुंच सके। इसी क्रम में मत्स्य विभाग द्वारा वर्ष 2025-26 में झींगा सह मछली पालन योजना के अंतर्गत सुरेन्द्र नाग को गुणवत्तापूर्ण झींगा बीज भी उपलब्ध कराया गया।

50 बच्चों का स्कूल, शिक्षक एक भी नहीं: सरपंच ऋतु साहू ने संभाला मोर्चा, कलेक्टर से लगाई गुहार

खैरागढ़ । केसीजी जिले के छुईखदान विकासखंड अंतर्गत शासकीय प्राथमिक शाला सिलपट्टी इन दिनों शिक्षक विहीन होने के कारण सुर्खियों में है। करीब 50 विद्यार्थियों की दर्ज संख्या वाले इस स्कूल में वर्तमान में एक भी नियमित शिक्षक पदस्थ नहीं है, जिससे बच्चों की पढ़ाई पर गंभीर संकट खड़ा हो गया है। मामले को लेकर ग्राम पंचायत सिलपट्टी की सरपंच ऋतु साहू ने पहल करते हुए सीधे कलेक्टर इंद्रजीत सिंह चंद्रवाल से दूरभाष पर चर्चा कर तत्काल स्थायी शिक्षक की व्यवस्था करने की मांग की है। दरअसल, शासन के संलग्नीकरण संबंधी आदेश के बाद स्कूल में व्यवस्था के तहत कार्यरत दोनों शिक्षक अपने मूल विद्यालय लौट गए। इसके बाद स्कूल पूरी तरह शिक्षक विहीन हो

गया और हालात ऐसे बने कि स्कूल में तालाबंदी जैसी स्थिति उत्पन्न हो गई। स्थिति बिगड़ने पर विकासखंड शिक्षा अधिकारी ने संकुल समन्वयक को मौखिक निर्देश देकर पास के पद्मवतीपुर प्राथमिक स्कूल से एक शिक्षक की अस्थायी व्यवस्था करने को कहा। हालांकि ग्रामीणों का कहना है कि यह केवल तात्कालिक समाधान है। जिस शिक्षक की व्यवस्था की गई है, वह नियमित रूप से कब तक आएंगे, इसकी कोई स्पष्टता नहीं है।ग्रामीणों का कहना है कि जब स्कूल पहले से व्यवस्था के आधार पर चल रहा था तो शिक्षकों को हटाने की आवश्यकता ही क्या थी। उनका आरोप है कि उधार के शिक्षक के भरोसे बच्चों का भविष्य नहीं बनाया जा सकता। यदि समय-समय पर अलग-अलग शिक्षक पढ़ाने आएंगे तो बच्चों की पढ़ाई की निरंतरता और गुणवत्ता दोनों प्रभावित होंगी। इधर पालकों में भी भारी नाराजगी है। उनका कहना है कि शिक्षा विभाग की योजनाओं का खामियाजा मासूम बच्चों को भुगतना पड़ रहा है। यदि जल्द ही स्थायी शिक्षक की नियुक्ति नहीं की गई तो ग्रामीण स्कूल में तालाबंदी और आंदोलन के लिए बाध्य होंगे, जिसकी पूरी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी। इस संबंध में विकासखंड शिक्षा अधिकारी गिरेंद्र कुमार सुधाकर ने बताया कि संलग्नीकरण समाप्त होने के बाद वैकल्पिक शिक्षक व्यवस्था कर दी गई है। उच्च अधिकारियों के निर्देशानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। ग्रामीणों और पालकों की मांग है कि अस्थायी व्यवस्था के बजाय सिलपट्टी स्कूल में शीघ्र नियमित शिक्षकों की पदस्थापना की जाए, ताकि 50 बच्चों का भविष्य अनिश्चितता में न रहे।

शासन द्वारा निर्धारित दरों पर सहकारी समितियों से करें खरीदी, अनावश्यक भंडारण व अफवाहों से बचें : कृषि विभाग

जशपुरनगर। खरीफ फसल की बुवाई के दौरान किसानों को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए जशपुर जिले की सभी सहकारी समितियों में रासायनिक खाद एवं प्रमाणित बीज का पर्याप्त भंडारण कराया गया है।

कृषि विभाग ने किसानों से अपील की है कि वे किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न दें तथा अपने निकटतम सहकारी समिति से शासन द्वारा निर्धारित मूल्य पर खाद एवं बीज प्राप्त करें। उप संचालक कृषि एमआर भगत ने बताया कि जिले में वर्तमान में कुल 5056.740 मीट्रिक टन रासायनिक खाद उपलब्ध है। इसमें यूरिया 2283.140 मीट्रिक टन, डीएपी 1401.050 मीट्रिक टन, एनपीके 524.540 मीट्रिक टन, सुपर फॉस्फेट 467.500 मीट्रिक टन तथा म्यूरेट ऑफ पोटाश 380.510 मीट्रिक टन का पर्याप्त भंडार शामिल है। इसके अतिरिक्त किसानों को उर्वरकों के संतुलित एवं आधुनिक उपयोग को बढ़ावा देने के लिए नैनो यूरिया की 5,124 बोतल तथा नैनो डीएपी की 6,421 बोतल, कुल 11,545 बोतलें भी सहकारी समितियों में उपलब्ध कराई गई हैं।

बीज उपलब्धता की जानकारी देते हुए कृषि विभाग ने बताया कि जिले में धान का 1454 क्विंटल, अरहर का 88 क्विंटल, उड़द का 457.64 क्विंटल, मूंगफली का 10 क्विंटल, रामतिल का 8.14 क्विंटल तथा तिल का 0.72 क्विंटल प्रमाणित बीज सहकारी समितियों एवं कृषि विभाग के माध्यम से उपलब्ध है।

कृषि विभाग ने किसानों से आग्रह किया है कि वे अपनी आवश्यकता के अनुसार खाद एवं बीज का उठाव अपने निकटतम सहकारी समिति से ही करें। विभाग ने स्पष्ट किया है कि जिले में खाद एवं बीज की किसी प्रकार की कमी नहीं है तथा सभी आवश्यक कृषि आदानों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की गई है। उप संचालक कृषि ने किसानों से शासन द्वारा निर्धारित दरों पर ही खाद एवं बीज खरीदने तथा अनावश्यक भंडारण अथवा भ्रम फैलाने वाली अफवाहों से बचने की अपील की है। उन्होंने कहा कि कृषि विभाग किसानों को समय पर गुणवत्तापूर्ण कृषि आदान उपलब्ध कराने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है, जिससे खरीफ फसलों की बुवाई एवं उत्पादन प्रभावित न हो।

नीलगिरी पार्क में मंदिर का जीर्णोद्धार करने महापौर ने किया भूमिपूजन

राजनांदगांव । धार्मिक आस्था के केन्द्र मंदिरो का जीर्णोद्धार करने नगर निगम द्वारा प्रक्रिया कर जीर्णोद्धार कार्य किया जा रहा है। इसी के तहत वार्ड नं. 22 के नीलगिरी पार्क कालोनी स्थित नीलकंठ महादेव एंव हनुमान मंदिर का 5 लाखा रूपये की लागत से जीर्णोद्धार करने महापौर मधुसूदन यादव ने कालोनी वासियो की उपस्थिति में पूजा अर्चना कर भूमिपूजन किया। भूमिपूजन अवसर पर वार्ड पार्षद मती प्रियंका कुरंजेकर व पार्षद मती अपूर्वा वास्तव, पूर्व पार्षद अतुल रायजादा के अलावा रिभय यादव,पार्षद प्रतिनिधि पंकज कुरंजेकर व समीर वास्तव विशेष रूप से उपस्थित थे।

भूमिपूजन अवसर पर महापौर यादव ने कहा कि धार्मिक न्याय एवं धर्मस्व विभाग द्वारा स्वीकृत राशि से शहर के मंदिरो का जीर्णोद्धार कराया जा रहा है। इसी कडी में नीलगिरी पार्क कालोनी के मंदिर का जीर्णोद्धार करने भूमिपूजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार की सोच धार्मिक भावना को ध्यान में रखकर आस्था के प्रमुख केन्द्र मंदिरो का जीर्णोद्धार करना है, इसी सोच को सकार करने निगम सीमाक्षेत्र स्थित मंदिरो के जीर्णोद्धार के लिए विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह एवं सांसद संतोष पाण्डे की अनुशंसा पर विभाग के प्रस्ताव भेजा गया, स्वीकृति प्राप्त होते ही निविदा प्रक्रिया कर मंदिरो का जीर्णोद्धार किया जा रहा है।

मंदिर का जीर्णोद्धार के लिए भूमिपूजन करने पर पार्षद मती प्रियंका कुरंजेकर ने महापौर का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मंदिर का जीर्णोद्धार करने क्षेत्रवासियो की लंबे समय से मांग थी, जो अब पूरा होने जा रहा है।

दिव्यांगजनों के लिए भरोसे का माध्यम बनी सीएम हेल्पलाइन

रायपुर । मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में संचालित सीएम हेल्पलाइन प्रदेशवासियों की समस्याओं के त्वरित, पारदर्शी और प्रभावी समाधान का सशक्त माध्यम बनकर उभरी है। विशेष रूप से दिव्यांगजनों और जरूरतमंद नागरिकों के लिए यह व्यवस्था राहत, विश्वास और सुशासन का प्रतीक बन रही है। हेल्पलाइन के माध्यम से लंबे समय से लंबित मामलों का भी समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित किया जा रहा है। जशपुर जिले के पत्थलगांव विकासखंड के ग्राम पंडरीपानी निवासी प्रमनाथ मिर्रे का मामला इसका एक प्रेरक उदाहरण है। दिव्यांग पेंशन प्राप्त करने के लिए लगातार प्रयास करने के बावजूद उनकी पेंशन स्वीकृत नहीं हो पा रही थी, जिससे उन्हें आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। जब अन्य प्रयास सफल नहीं हुए, तब उनके पुत्र प्रताप मिर्रे ने सीएम हेल्पलाइन में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत प्राप्त होते ही संबंधित विभाग ने प्रकरण को प्राथमिकता देते हुए आवश्यक कार्रवाई शुरू की। सभी आवह्यश्यक प्रक्रियाएं समयबद्ध रूप से पूरी की गईं ।

विधायक भोलाराम साहू ने किया सामुदायिक भवन एवं शेड का लोकार्पण, कहा : ग्रामीण विकास हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता

छुंरया । गुप्त नवरांत्र के पावन अवसर पर विकासखंड छुरिया अंतर्गत ग्राम कोरगुड़ा धरमूटोला में नवनिर्मित सामुदायिक भवन एवं शेड का लोकार्पण क्षेत्रीय विधायक भोलाराम साहू ने मुख्य अतिथि के रूप में किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में ग्रामीणजन, जनप्रतिनिधि एवं कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक भोलाराम साहू ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों का सर्वांगीण विकास ही उनकी राजनीति का मूल उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि सामुदायिक भवन एवं शेड जैसी आधारभूत सुविधाएं ग्रामीण सामाजिक जीवन को नई मजबूती प्रदान करती हैं तथा गांवों में सामाजिक, सांस्कृतिक एवं धार्मिक गतिविधियों के संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने विश्वास दिलाया कि खुज्जी विधानसभा क्षेत्र के प्रत्येक गांव में विकास कार्यों को गति देने के लिए वे निरंतर प्रयासरत हैं। विधायक

साहू ने गुप्त नवरात्रि की शुभकामनाएं देते हुए क्षेत्र की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की तथा ग्रामीणों से विकास कार्यों में सक्रिय सहभागिता निभाने का आह्वान किया।

इस अवसर पर प्रताप धावड़े (अध्यक्ष, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी कुमर्दा), राजू सिन्हा (महामंत्री, जिला कांग्रेस), भानुप्रताप कोमरे (सरपंच, ग्राम पंचायत धरमूटोला), हौसीलाल साहू (भूतपूर्व सरपंच), ग्राम पटेल डोमन दास साहू, ललिता बाई देशलहरे (उपसरपंच), पंचगण जन्त्री बाई, जानकी बाई, दुर्गा बाई, डिगेश्वरी, हिराराम कंवर, संजय साहू, रामरतन सहारे, शंकरलाल, प्रकाश कुमार, मनोज साहू, तुकाराम, चन्द्रकुमार, जयसिंह साहू, गैदलाल साहू, बिंदूराम कंवर, जगन ठाकुर, मोहनलाल (ग्रामीण अध्यक्ष) सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने एसपी से की सौजन्य भेंट, राजीव गांधी स्मृति चबूतरे की क्षति पर सौंपा ज्ञापन

बलौदाबाजार। शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष प्रवीण सेन के नेतृत्व में कांग्रेस के प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को नवनियुक्त पुलिस अधीक्षक से सौजन्य भेंट कर उनका पुष्पगुच्छ भेंटकर स्वागत किया। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने गार्डन चौक स्थित पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गांधी के स्मृति चबूतरे को असामाजिक तत्वों द्वारा क्षतिग्रस्त किए जाने के मामले में ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए दोषियों की शीघ्र पहचान कर उनके विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की गई। साथ ही संबंधित विभाग के माध्यम से क्षतिग्रस्त स्मृति चबूतरे की तत्काल मरम्मत एवं पुनर्निर्माण कराने का आग्रह किया गया, ताकि स्मृति स्थल की गरिमा बनी रहे और भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। पुलिस अधीक्षक ने प्रतिनिधिमंडल को मामले की निष्पक्ष जांच कर आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया।

इस अवसर पर पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष विक्रम पटेल, प्रभारी महामंत्री छल्ला साहू, शहर महामंत्री नीरज बांधे, मोहन साहू, भेनू प्रसाद साहू, नेता प्रतिपक्ष सलमान शेख, पार्षद सुभाष राव, रविंद्र नामदेव, मंडल अध्यक्ष गोल्डी मरईया, शाश्वत यादव, हेमंत ठाकुर सहित शहर कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पुरैना खपरी में उपभोक्ता जागरूकता शिविर का आयोजन

बलौदाबाजार। ग्राम पंचायत पुरैना खपरी के पंचायत भवन में जिला उपभोक्ता आयोग बलौदाबाजार द्वारा उपभोक्ता जागरूकता शिविर लगाया गया। शिविर में ग्रामवासियो को उपभोक्ता कानूनो सम्बंधित जानकारी दिया गया।

जिला उपभोक्ता आयोग की अध्यक्षा रंजना दत्ता, सदस्यगण हरजीत सिंह चावला एवं शारदा सोनी ने ग्रामवासियो को उनके अधिकारों व हितों की विस्तृत जानकारी दी एवं जागरुकता सम्बंधित पम्पलेट का वितरण किया।उनके द्वारा उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 की जानकारी देते हुए बताया कि उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण वस्तु एवं सेवाएं प्राप्त करना उनका कानूनी अधिकार है। उपओक्ताओं को किसी वस्तु की कीमत, गुणवत्ता की जांच, मात्रा की जांच, सेवा व संविदा शर्तें, बोमा, भेडिकल क्लेम फाइनेंस

कंरनियां, बैंक, यातायात वाहन, आनलाइन खरीददारी सोच समझकर करनी चाहिए। उपभोक्ता कानूनों के बारे में जानकारी दी नई व बताया गया कि व्यक्ति जन्म से ही उपभोक्ता होता है। उपभोक्ता, सेवा में कमी से संबंधित शिकायत जिला उपभोक्ता आयोग के समक्ष कर सकता है। वाहन कम्पनियों द्वारा ग्राहकों से की जा रही ठगी के सम्बन्ध में भी जागरूक किया गया। शिकायतों में लगने वाले शुल्क के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि यदि उपभोक्ता शिकायत का मूल्य पाँच लाख तक हो तो उस पर कोई शुल्क नहीं लगता है शिकायत नि:शुल्क रहती है। ई फ़ाइलिंग व ई हियररिंग के बारे में जानकारी देते हुए बताया गया है कि आयोगों के समक्ष शिकायत अब ई फ़ाइलिंग के माध्यम से ऑनलाइन ही की जाती है जो कि अब अनिवार्य हैं इसके लिए उपभोक्ता ई आगृति पोर्टल का उपयोग कर सकते हैं। उपभोक्ताओं को अपना पक्ष रखने के लिए बहस हेतु आयोग के समक्ष उपस्थित होना ज़रूरी नहीं है उपभोक्ता अपनां पक्ष या बहस ई हियरिंग के माध्यम से ऑनलाइन कहीं से भी कर सकते हैं यह सुविधा जिला उपभोक्ता आयोग बलौदाबाजार सहित सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ राज्य में प्रारंभ हो चुकी है। इस उपभोक्ता शिविर में उपस्थित ग्राम वासियो के द्वारा उपभोक्ता कानूनों तथा ई फ़ाइलिंग व ई हियरिंग से संबंधित पूछे गए प्रश्नों का उत्तर देकर उनकी जिज्ञासाओं का समाधान किया गया । शिविर में रिसोर्स पर्सन के रूप में आमंत्रित अधिवक्ता राजनारायण त्रिपाठी ने उपभोक्ता आयोग द्वारा लगाये जा रहे जागरुकता शिविर की सराहना करते हुए उपस्थितजनो% से उपभोक्ता संरक्षरण कानून का लाभ लेने की अपील की तथा उपभोक्ताओं के हितो एवं आयोग द्वारा विभिन्न प्रकरणों में किये गये आदेशों के बारे में बताया।

उपभोक्ता जागरूकता शिविर के दौरान आयोग के कर्मचारीगण दिनेश शर्मा, राजेश्वर इंग्ले, अधिवक्तागण में अधितक्ता संध बलौदाबाजार के अध्यक्ष शारिक खान, दीपक पटेल, राजकुमार पात्रे, एवं ग्राम के सरपंच, पंच एवं ग्रामवासी उपस्थित थे।

शासकीय होम्योपैथी औषधालय का निशुल्क शिविर, गंज पीछे में 41 लोगों ने कराया स्वास्थ्य परीक्षण

खरसिया । बरसात के मौसम में होने वाली बीमारियों से बचाव और स्वास्थ्य जागरूकता को लेकर सोमवार को शासकीय होम्योपैथी औषधालय द्वारा खरसिया के गंज पीछे में निशुल्क होम्योपैथिक स्वास्थ्य शिविर लगाया गया।

सुबह 10:30 से दोपहर 2 बजे तक चली जांच

शिविर सुबह 10:30 बजे शुरू हुआ जो दोपहर 2 बजे तक चला। इसमें खरसिया टाउन के छोटे बच्चे, महिलाएं और पुरुष सहित कुल 41 लोगों ने स्वास्थ्य परीक्षण कराकर निशुल्क दवाएं प्राप्त कीं।

अधिकारियों के मार्गदर्शन में लगा शिविर

शिविर महिला एवं बाल विकास अधिकारी श्रीमती पूनम कुर्रे और खरसिया शहरी सेक्टर की सेक्टर अधिकारी श्रीमती पुनीता जायसवाल के सानिध्य में आयोजित किया गया।

शासकीय होम्योपैथी अधिकारी डॉ. मंजरी पटेल, होम्योपैथी फार्मासिस्ट राकेश तिवारी व पीटी सुरेश राठौर की टीम ने मरीजों की जांच कर परामर्श के साथ दवाइयां वितरित कीं। शिविर को सफल बनाने में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता रोमा यादव का विशेष सहयोग रहा।

बरसात की बीमारियों को लेकर लोगों में जागरूकता

शिविर में आसपास के सभी मोहल्लों से लोग पहुंचे। बरसात में होने वाले बुखार, सर्दी-जुकाम, पेट और त्वचा संबंधी समस्याओं को लेकर लोगों ने डॉक्टरों से सलाह ली और दवाएं लीं।

आयोजकों ने बताया कि आगे भी शहर के विभिन्न वार्डों में इस तरह के निशुल्क स्वास्थ्य शिविर लगाकर आमजन को घर के पास ही बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

ग्राम बेंदरी में सामुदायिक भवन निर्माण का विधायक इन्द्र साव ने किया भूमि पूजन

भाटापारा । ग्राम बेंदरी में आदिवासी समाज के सामुदायिक भवन निर्माण कार्य का विधिवत भूमिपूजन विधायक इंद्र साव ने किया।इस अवसर पर उन्होंने समाज के लोगों और ग्रामीणों को बधाई देते हुए इसका निर्माण होने के बाद भवन का फायदा ग्रामवासियों को मिलने की बात कही।इस भूमिपूजन कार्यक्रम में गांव के वरिष्ठ नागरिक, सामाजिक जन, एवं बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे। इस अवसर पर ग्राम वासियों और सामाजिक जन को संबोधित करते हुए विधायक इंद्र साव ने कहा कि लंबे समय से आदिवासी समाज के लोगों की यह मांग थी जो अब पूरी होने जा रही है। यह भवन सिर्फ आदिवासी समाज ही नहीं अन्य समाज के लिए भी एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। यह

भवन केवल ईंट-पत्थर का ढांचा नहीं होगा, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम का केंद्र बनेगा। विधायक साव ने आगे कहा कि समाज को जोड़ने और अपनी संस्कृति को आगे बढ़ाने में सामुदायिक भवनों की भूमिका सबसे अहम होती है और यह भवन निर्माण होने के पश्चात आपसी भाईचारे और सामाजिक एकता को और अधिक मजबूत करेगा। इसके पूर्व विधायक साव का ग्राम बेंदरी पहुंचने पर आदिवासी समाज के लोगों ने पारंपरिक रूप से उनका स्वागत किया,विधायक ने ग्राम वासियों को आश्वस्त किया कि क्षेत्र का चौमुखी विकास उनका संकल्प है और आने वाले समय में इस गांव में और भी विकास कार्य कराएंगे इस अवसर पर टेकसिंह ध्रुव पूर्व सदस्य जिला पंचायत, राधेचरण छेदईहा, पूर्व सरपंच संतु ध्रुव, जागेश्वर मरावी, लोकराम वर्मा सरपंच प्रतिनिधि, मुरीत छेदईहा।

आम जनता से अपील बाहरी व्यक्तियों को किराए में मकान देने से पूर्व इसकी सूचना अनिवार्य रूप से थाना में कराएं नोट

बेमेतरा। पुलिस अधीक्षक त्रिलोक बंसल (भा.पु.से.) ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय के सभा कक्ष में अनाधिकृत/अवैध रूप से रह रहें, अवैध अप्रवासी बांग्लादेशी/रोहिंग्या घुसपैठियों की तलाश, पहचान कर उनके विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही करने एवं उन्हें वापस भेजे जाने की कार्यवाही हेतु, जिले में गठित स्पेशल टास्क फोर्स टीम सहित जिले के राजपत्रित अधिकारियों एवं थाना/चौकी प्रभारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक ली गई। एसपी त्रिलोक बंसल ने कहा कि मकान में किराये पर रहने वाले किरायेदारों एवं मुसाफिरों की आधार कार्ड एप से मिलान कर सख्त जांच करने एवं किराया देने वाले मालिक का नाम, किरायादार का नाम, माता, पिता, एवं परिवार के सदस्यों का नाम माता/पिता का नाम, वर्तमान पता, स्थायी पता, आधार कार्ड, वोटर आईडी कार्ड नं., पेन कार्ड नं., मोबाईल नंबर, शिक्षा संबंधी, फोटो, पहचानकर्ता का पूरा नाम पता एवं मोबाईल नंबर लिया जाकर

आधार कार्ड की सख्त जांच कर चेकिंग कार्यवाही करने आवश्यक निर्देश दिए गए।

उन्होंने समाधान ऐप के प्रभावी उपयोग पर विशेष बल देते हुए निर्देशित किया कि मकान मालिक एवं होटल/लॉज संचालक किरायेदारों एवं यात्रियों की जानकारी अनिवार्य रूप से ऐप पर अपलोड करें। प्रतिदिन भीड़भाड़ वाले स्थानों जैसे बस स्टैंड, कबाडी दुकान,चौपाटी, सिनेमाघरों में चेकिंग की कार्यवाही सुनिश्चित करने, एवं संदिग्ध व्यक्तियों ठेला/गुमटी लगाने वाले, फेरीवालों की पहचान कर आवश्यक चेकिंग कार्रवाई के निर्देश दिए गए। मकान मालिकों से अपील की गई कि वे किसी भी बाहरी व्यक्ति को किराये पर मकान देने से पूर्व उसकी सूचना नजदीकी थाना में अनिवार्य रूप से दें। होटल/लॉज संचालकों को निर्देशित किया गया कि वे रुकने वाले सभी व्यक्तियों का आधार कार्ड जांचें और समाधान ऐप में उनका विवरण दर्ज करें। उन्होनें ने औद्योगिक संस्थान- जैसे एथेनॉल, एल्युमिनियम, स्पंज आयरन प्लांट, बारूद फैक्ट्री, पेपर मील तथा गुड फैक्ट्री, ईंट भट्ठों, फैक्ट्रियों, पोल्ट्री फार्म, क्रेशर प्लांट, कबाडी दुकान, रूई धुनने वाले, टेण्ट हाउस, पंचर दुकान, कैटरिंग चलाने वाले एवं (फार्म हाउस) बाड़ी में कार्यरत मजदूरों व ठेकेदारों की जानकारी एकत्र कर उनका सत्यापन करने हेतु भी दिशा-निर्देश जारी किए गए। आम जनता से अपील की जाती है कि बाहरी व्यक्तियों को किराए में मकान देने से पूर्व इसकी सूचना अनिवार्य रूप से थाना में नोट कराएं। किसी भी अंजान लोगो को शहर/ग्रामों में ठहरने न दें साथ ही पुलिस थाना को सूचित करे। अनाधिकृत/अवैध रूप से रह रहें, अवैध अप्रवासी बांग्लादेशी घुसपैठियों एवं संदिग्ध दिखने वाले व्यक्ति जो बाहर से आकर कही रूका हो जो आपको संदिग्ध लगे तो इसकी सूचना तत्काल टोल फ्री नंबर 18002331905 पुलिस को दें।

विज्ञान की थोड़ी-बहुत समझ स्वस्थ व लंबा जीवन जीने में मदद करती है

मुंबई की खूबसूरती यही है कि वहां गगनचुम्बी हाई-राइज इमारतों के साथ झोपड़ियां और एक मंजिला 'चॉल' भी दिखाई देंगी। इसकी वजह यह है कि हाई-राइज में रहने वाले अमीरों की सेवा करने वाली आबादी अपने काम-काज की जगह के करीब ही रहना चाहती है, चाहे वह जगह कितनी ही तंग क्यों न हो।

हाल ही में मुंबई में पवई लेक के आसपास आई बाढ़ के दौरान मैं कार में बैठा था तो मेरे पास अगल-बगल बसे इन दो विरोधाभासों को देखने के अलावा कोई काम नहीं था। मैंने एक अंतर देखा। लोअर मिडल क्लास और सपोर्टिंग स्टाफ के इन ज्यादातर घरों की खिड़कियों में एयर कंडीशनर लगे थे या बाहरी दीवार पर जाल में बंद स्प्लिट एसी यूनिट लगी थीं।

ऐसे ही एक घर से निकला बाइक सवार मेरी कार विन्डो के बिल्कुल पास आकर खड़ा हो गया, ताकि कार एक इंच भी सरके तो वह ट्रैफिक में घुस सके। मैंने मौका देखकर उसकी तारीफ की कि इतनी छोटी जगह में भी उसने सभी सुविधाएं जुटा रखी हैं। उसने कहा 'आजकल सबकुछ ईएमआई पर उपलब्ध है।'

उसके जवाब से मुझे 2010 में भास्कर समूह के लिए किए गए हमारे सर्वे की याद आ गई। उस समय सबसे ज्यादा बिकने वाली तीन चीजें स्मार्टफोन, दुपहिया वाहन और एयर कंडीशनर थीं। और जब मैंने 2026 के सेंट्रल बैंक डेटा देखे तो ये तीनों अब भी उसी स्थान पर थीं। चूंकि गाड़ी कई मिनट तक नहीं चली तो मैंने उससे पूछा कि जीवन कैसा चल रहा है।

उसने कहा कि हालांकि उसने घरवालों को सारी सुविधाएं दे रखी हैं, लेकिन बुजुर्ग हो रहे पैरेन्ट्स की बढ़ती स्वास्थ्य समस्याएं उसे चिंतित करती हैं। तभी मुझे याद आया कि मैंने पढ़ा था कि कुछ आदतें, जिन्हें हम महसूस तक नहीं करते, हमारी बायोलॉजिकल एज को बढ़ाती हैं और स्किन को बेहतर रखती हैं।

एक रिसर्च के बाद यूके की पत्रिका 'साइंस एडवांसेस' और 'जर्नल ऑफ एजिंग' में प्रकाशित हालिया रिपोर्ट में कहा गया कि सुबह के वक्त पर्याप्त धूप लेना स्किन डैमेज, पसीने बहाने के तरीके और लंबी उम्र पर असरकारक है। इसी तरह लोग यह नहीं समझते कि सिर्फ 100 ग्राम योगर्ट भी गट-हेल्थ के लिए अच्छा होता है, जो स्वस्थ और लंबी उम्र में योगदान देता है। योगर्ट एजिंग स्पीड को 2.2% तक कम करता है। मुझे यह आंकड़ा इसलिए याद रहा क्योंकि मैं दक्षिण भारतीय हूं और हमारा भोजन कर्ड-राइस के बिना पूरा नहीं होता। उस रिपोर्ट ने मुझे खुश कर दिया, क्योंकि कर्ड-राइस हमेशा से मेरी फेवरेट डिश रही है।

लेकिन जिस एक चीज ने मेरा ध्यान खींचा, वह दोस्तों की क्वालिटी को लेकर एक स्पेशल रिपोर्ट थी। उसमें कहा गया कि आम तौर पर दोस्ती बायोलॉजिकल एजिंग पर सकारात्मक असर डालती है। इससे कॉग्निटिव डिक्लाइन का जोखिम कम होने और अवसाद में कमी जैसे कई फायदे मिलते हैं।

अमेरिका के 'नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एजिंग' ने चेतावनी दी कि सोशल नेटवर्क में 'झगड़ालू' लोगों के साथ अधिक समय बिताना तनाव और बायोलॉजिकल एजिंग से जुड़े बायोमार्कर को बढ़ाता है। रिपोर्ट में कहा गया कि 'किसी व्यक्ति के जीवन में ऐसे चुनौतीपूर्ण रिश्ते जितने ज्यादा होंगे, परिणाम उतने ही खराब हो सकते हैं।'

फंडा यह है कि हर लाइफस्टाइल के पीछे एक विज्ञान होता है- बिस्तर से उठने के तरीके से लेकर प्रियजनों के साथ शाम बिताने तक। यदि हम हर गतिविधि के पीछे का विज्ञान समझ लें तो जीवन को स्वस्थ और लंबा बनाने की संभावना काफी बढ़ जाती है।

हम एक बार फिर स्पष्ट उद्देश्य से 'पूर्व' की ओर देख रहे हैं

हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड की यात्रा को हमें उस रणनीतिक बदलाव की शुरुआत का संकेत समझना चाहिए- जिसे एक्ट-ईस्ट 2.0 कहा जा सकता है। यह ऐसा परिवर्तन है, जिसमें हिन्द-प्रशांत क्षेत्र को आकार देने में भूमिका निभाने पर ज्यादा जोर दिखता है।

पिछले कुछ वर्षों में भारत का रणनीतिक ध्यान स्वाभाविक रूप से अन्य क्षेत्रों की ओर केंद्रित रहा है। यूक्रेन में संघर्ष, पश्चिम एशिया में अस्थिरता, पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद और उत्तरी सीमाओं पर जारी सुरक्षा चुनौतियों में भारत की कूटनीतिक ऊर्जा का बड़ा हिस्सा खर्च हुआ है। लेकिन अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को आकार देने की आकांक्षा रखने वाला कोई भी देश संकटों के एक समूह को अपनी रणनीतिक सोच पर स्थायी रूप से हावी नहीं होने दे सकता। उभरती ताकतों को भविष्य के अवसरों के लिए भी तैयारी करनी होती है।

इसलिए प्रधानमंत्री का पूर्वी देशों की ओर यह कूटनीतिक अभियान रणनीतिक संदेश देने का भी माध्यम है। देश अपनी प्राथमिकताओं का संकेत केवल आधिकारिक घोषणाओं से ही नहीं, बल्कि इस बात से भी देते हैं कि उनके सर्वोच्च स्तर के राजनयिक दौरे किन देशों की ओर होते हैं। संदेश स्पष्ट है- भारत एक बार फिर स्पष्ट उद्देश्य के साथ पूर्व की ओर देख रहा है।

मूल एक्ट-ईस्ट नीति ने सम्पर्क, व्यापार, संस्थागत साझेदारियों और आसियान देशों से संबंधों के जरिये पूर्वी और दक्षिण-पूर्व एशिया के साथ भारत के जुड़ाव को दिशा दी थी। इस नीति ने यह स्वीकारा था कि भारत की समृद्धि इस क्षेत्र की गतिशीलता से अलग नहीं है। इसने अपने उद्देश्य को सफलतापूर्वक पूरा किया। लेकिन आज परिदृश्य में व्यापक बदलाव आ चुका है।

हिन्द-प्रशांत क्षेत्र अब दुनिया की प्रमुख भू-राजनीतिक धुरी बनकर उभरा है। समुद्री सुरक्षा, लचीली आपूर्ति श्रृंखलाएं, महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियां, समुद्र के भीतर का बुनियादी ढांचा, ऊर्जा आपूर्ति अब वैश्विक शक्ति-संतुलन को उतना ही प्रभावित करते हैं, जितनी सैन्य क्षमता। आर्थिक कूटनीति और सुरक्षा को अब अलग-अलग नहीं देखा जा सकता। यदि एक्ट-ईस्ट के पहले चरण ने भारत को पूर्वी एशिया से जोड़ा था तो दूसरे चरण का उद्देश्य हिन्द-प्रशांत के रणनीतिक परिदृश्य को आकार देने में योगदान होना चाहिए।

अब भारत के पूर्वी हितों को क्वाड की गति पर निर्भर नहीं रहना चाहिए। यह समूह सहयोग का एक महत्वपूर्ण मंच बना हुआ है, लेकिन यह न तो कोई सैन्य गठबंधन है और न ही हिन्द-प्रशांत क्षेत्र में भारत की रणनीति को आगे बढ़ाने का एकमात्र माध्यम। ऐसे समय में, जब अमेरिका का ध्यान चीन के साथ अपनी द्विपक्षीय प्रतिस्पर्धा और विशेष रूप से ताइवान के मुद्दे पर अधिक केंद्रित दिखाई देता है और क्वाड पर अपेक्षाकृत कम राजनीतिक जोर नजर आता है, तब भारत को अपनी पूर्वोन्मुख रणनीति स्वतंत्र रूप से आगे बढ़ानी होगी। इसका अर्थ है जापान और ऑस्ट्रेलिया के साथ द्विपक्षीय साझेदारियों को मजबूत करना तथा एक्ट-ईस्ट 2.0 के केंद्र में आसियान को स्थापित करना।

बदलता क्षेत्रीय परिदृश्य भारत की अधिक सक्रिय भागीदारी की भी मांग करता है। यद्यपि हिन्द-प्रशांत क्षेत्र में अमेरिका अब भी प्रमुख सैन्य शक्ति बना हुआ है, लेकिन दक्षिण-पूर्व एशिया के अनेक देशों को लगता है कि उसका राजनीतिक ध्यान अब अधिक सिलेक्टिव हो गया है। चीन ने आर्थिक एकीकरण, बुनियादी ढांचे के विकास, समुद्री उपस्थिति और निरंतर कूटनीतिक प्रयासों के जरिये अपना प्रभाव लगातार बढ़ाया है। इस विस्तार का बड़ा हिस्सा उस ग्रे-जोन में होता है, जो खुले टकराव की सीमा से नीचे रहता है, लेकिन जिसके दीर्घकालिक रणनीतिक परिणाम होते हैं।

समय आ गया है कि हम रणनीतिक क्षमता के साथ रणनीतिक आत्मविश्वास का भी समुचित मेल करें। फिलीपींस और इंडोनेशिया के साथ भारत की बढ़ती साझेदारियां- जिनमें रक्षा निर्यात भी शामिल है- यह संकेत देती हैं कि रक्षा साझेदारियां अब कूटनीति का भी महत्वपूर्ण माध्यम बन चुकी हैं। ग्रेट निकोबार के विकास जैसी परियोजनाओं को भी इसी संदर्भ में देखा जाना चाहिए। वे केवल बुनियादी ढांचे की परियोजनाएं नहीं हैं, बल्कि भारत के एक समुद्री शक्ति के रूप में उभरने की प्रतीक हैं। हिन्द-प्रशांत क्षेत्र 21वीं सदी के रणनीतिक शक्ति-संतुलन को परिभाषित करेगा। भारत अब इस क्षेत्र के भविष्य को आकार देने में भूमिका निभाने के लिए तैयार है। एक्ट-ईस्ट 2.0 नीति बताती है कि भारत का रणनीतिक क्षितिज अब पूर्व की ओर स्थानांतरित हो रहा है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

यह नए चेहरों और छोटे लेकिन जुझारू देशों का टूर्नामेंट था

फीफा विश्व कप की शुरुआत विवादों के साथ हुई थी। ईरानी खिलाड़ियों को वीसा मिलेगा या नहीं, यह मसला सुर्खियों में रहा। उनके साथ किए गए भेदभावपूर्ण व्यवहार ने भी अनेक सवाल खड़े किए। रेफरियों के निर्णय किस तरह एक टीम (अर्जेंटीना) के पक्ष में जा रहे थे, यह भी चर्चा का विषय बना। बालोगुन विवाद को लेकर ट्रम्प भी इसमें शामिल हो गए और ट्रम्प तथा फीफा प्रेसिडेंट इन्फैन्तीनो के बीच हुई बातचीत को लेकर भी काफी चर्चा हुई।

वीएआर प्रणाली लगातार बहस का विषय बनी रही। इसमें तीनों आयोजक देशों के बीच यात्राओं से जुड़ी समस्याओं और उस पर आने वाले भारी-भरकम खर्च को भी जोड़ दें। लेकिन इसके सबके बावजूद विश्व कप को असफल नहीं कहा जा सकता, क्योंकि इसमें फुटबॉल का स्तर और मुकाबलों की इंटेंसिटी दोनों ही सर्वोच्च दर्जे के रहे थे।

फाइनल मैच भले ही स्पेन के पक्ष में पूरी तरह से एकतरफा रहा हो, लेकिन उसके विपरीत इस विश्व कप में कई ऐसे क्लासिक मुकाबले हुए, जो लंबे समय तक लोगों की स्मृतियों में बने रहेंगे। चाहे फ्रांस के खिलाफ स्पेन का शानदार रक्षात्मक प्रदर्शन हो या इंग्लैंड के विरुद्ध अर्जेंटीना की दमदार वापसी- यह टूर्नामेंट रोमांच से भरपूर रहा।

सेमीफाइनल का ही उदाहरण लीजिए, जिसकी चर्चा अब भी लंदन में हो रही है। इंग्लैंड 1-0 से आगे था और पूरे ब्रिटेन ने सपना देखना शुरू कर दिया था कि ट्रॉफी आखिरकार घर लौटने वाली है। तभी उनके कोच ने रक्षात्मक रणनीति अपनाने की गलती कर दी और 39 वर्षीय मेसी को जैसे नया जीवन मिल गया। अर्जेंटीना ऐसी टीम की तरह खेलने लगी, मानो उस पर जुनून सवार हो। इंग्लैंड बिखर गया और अटलांटा के विशाल स्टेडियम में अर्जेंटीनी समर्थकों की आवाज गूंजने लगी। उस समय मैं लंदन के एक पब में मौजूद था, जहां सन्नाटा पसरा हुआ था।

पलभर को अफ्रीका के बारे में सोचिए। इस महाद्वीप की ओर से पहली बार इस टूर्नामेंट में नौ टीमें उतरी थीं और उन्होंने अपनी छाप छोड़ी। चाहे केप वर्डे की वह प्रेरक कहानी हो- जिसमें पांच लाख की आबादी वाले इस देश ने अर्जेंटीना को हार के कगार तक पहुंचा दिया, या मिस्र- जो अंत तक 2-0 से आगे रहने के बावजूद आखिरकार 2-3 से हार गया- अफ्रीकी टीमों ने पूरे टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया। मोरक्को ने अब एक नया मानक स्थापित कर दिया है। कतर विश्व कप में सेमीफाइनल तक पहुंचने के बाद इस विश्व कप में क्वार्टर फाइनल तक का सफर तय कर उसने अपनी क्षमता से कहीं बढ़कर प्रदर्शन किया है। आने वाले समय में अफ्रीकी खिलाड़ियों को दुनिया की प्रमुख लीगों में निश्चित रूप से अधिक अवसर मिलेंगे और इस विश्व कप से उनके लिए यह एक बड़ी उपलब्धि होगी।

अब क्रिस्टियानो रोनाल्डो, नेमार और लियोनेल मेसी की बात करें। पहले दो मामलों में यह देखना अद्भुत था कि दोनों सितारों ने अपनी-अपनी टीमों के लिए सब कुछ झोंक दिया। रोनाल्डो ने पुर्तगाल को आगे ले जाने के लिए अपनी शारीरिक क्षमता की सीमाएं लांघ दीं, लेकिन अंततः स्पेन के खिलाफ क्वार्टर फाइनल में हार गए।

अपना सर्वश्रेष्ठ देने के बावजूद आंसुओं के साथ विश्व कप से विदा लेते रोनाल्डो यह बताते हैं कि खेल कई बार कितना निर्मम हो सकता है। नेमार ने भी अपने प्रशंसकों के लिए ब्राजील के अंतिम मैच में एक पेनल्टी गोल किया, लेकिन उनकी विदाई वैसी नहीं रही, जैसी किसी दिग्गज खिलाड़ी के साथ अपेक्षा की जाती है। लेकिन यही खेल है। और जहां तक मेसी की बात है तो बहस समाप्त हो चुकी है। हर सवाल का जवाब मिल चुका है। हर आलोचक निरुत्तर है। जिस तरह उन्होंने खेला और अर्जेंटीना का नेतृत्व किया, फाइनल में हार के बावजूद उन्होंने स्वयं को सर्वकालिक महान खिलाड़ी के रूप में स्थापित कर दिया है।

यह एक शानदार विश्व कप रहा। तमाम विवादों के बावजूद मैदान पर देखने को मिला फुटबॉल हर प्रशंसक की उम्मीदों पर खरा उतरा। और जिस तरह का जुनून प्रशंसकों में देखने को मिला, वह इस बात का प्रमाण है कि फुटबॉल दुनिया का सबसे खूबसूरत खेल क्यों है।हम बार-बार यह शिकायत सुनते रहे हैं कि 1.4 अरब की आबादी वाला देश होने के बावजूद हम विश्वस्तरीय फुटबॉलर क्यों नहीं तैयार कर पा रहे हैं।

लेकिन यदि हम ओसीआई (ओवरसीज सिटीजन ऑफ इंडिया) और पीआईओ (पर्सन ऑफ इंडियन ओरिजिन) खिलाड़ियों का उपयोग करें, तो हम भी विश्व कप में जगह बना सकते हैं। तब हम अपनी टीम के बारे में भी लिख रहे होंगे। फिलहाल तो स्पेनिश आर्माडा का ही दबदबा है। नेतृत्व की मशाल मेसी से लमीन यमाल के हाथों में पहुंच चुकी है।

यह एक शानदार विश्व कप रहा। तमाम विवादों के बावजूद मैदान पर देखने को मिला फुटबॉल हर प्रशंसक की उम्मीदों पर खरा उतरा। और जिस तरह का जुनून प्रशंसकों में देखने को मिला, वह इस बात का प्रमाण है कि फुटबॉल दुनिया का सबसे खूबसूरत खेल क्यों है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

जनता को लग रहा है ज्यादा बिजली बिल आ रहा है तो...

राज्य में इन दिनों लोगों को लग रहा है कि पहले से ज्यादा बिजली बिल आ रहा है।लोग मीडिया को बता रहे हैं कि अप्रैल से बिल ज्यादा आ रहा है,कुछ लोगों का कहना है कि स्मार्ट मीटर लगाने के बाद बिजली बिल ज्यादा आ रहा है। कोई कहता है कि पहले हमारे यहां बिजली बिल दो हजार रुपए आता था अब वह 3300 और 3600 आ रहा है,कोई कहता है कि अप्रैल मे एक हजार.मई में छह हजार और जून में आठ हजार आया है।कोई कहता है कि मेरा बिल 700-800 रुपए आता था, अब 1920 और 3250 रुपए आया है.कोई बताता है कि अप्रैल में 1740,मई में 4420 बिल आया है।उस पर बुरा लोगों को यह लगता है कि जब बिजली विभाग शिकायत करने जाते हैं तो शिकायतें दर्ज नहीं की जाती हैं,समाधान में अनावश्यक देरी हो रही है।लोगों का कहना है कि बिजली बिलों की जांच कर वास्तविक खपत के आधार पर संशोधित बिल जारी करना चाहिए और शिकायतें जल्दी दूर की जानी चाहिए।

सीधी सी बात है कि यह जनता का अनुभव है। सरकार जैसे पिछली सरकार की तुलना मे खुद को कई मामलों में बेहतर बताती है उसी तरह जनता को इस बात का एहसास किसी न किसी क्षेत्र में तो ऐसा होता है कि बिजली के मामले में उनको इस सरकार से ज्यादा पिछली सरकार में फायदा था क्योंकि 400 यूनिट बिजली बिल आने पर 200 यूनिट का पैसा पटाना पड़ता था।कम से कम एक हजार रुपए की बचत होती थी।बिजली बिल दो तीन हजार भी आता था तो लोगों को लगता था कि एक हजार रुपए की बचत हुई है। बिजली कम आने व पैसा बचने का जो एहसास भूपेश बघेल सरकार के समय होता था, उसकी तुलना आज साय सरकार के समय लोग कर रहे हैं तो उनको लगता है कि उनको पहले से ज्यादा बिजली बिल देना पड़ रहा है। बिजली बिल पहले से ज्यादा आ रहा है। यानी पैसा बच नहीं रहा है, ज्यादा पैसा जेब से देना पड़ रहा है।

लोगों को भले ही यह सच मालूम न हो कि बिजली बिल क्यों ज्यादा आ रहा है, उनको यह तो मालूम है कि बिजली बिल पहले से ज्यादा आ रहा है।कुछ लोगों ने मान लिया कि यह स्मार्ट मीटर लगाने के कारण आ रहा है। हो सकता है कि बिजली बिल ढाई साल में कई बार बिजली दर बढ़ने के कारण ज्यादा आ रहा हो, हो सकता है कि गर्मी में पंखा कूलर ज्यादा चलने के कारण बिजली बिल ज्यादा आ रहा हो, हो सकता है कि पुराने मीटर में वास्तविक खपत के अनुसार बिजली बिल न आ रहा हो और स्मार्ट मीटर के कारण अब वास्तविक खपत के अनुसार बिजली बिल आ रहा हो. यानी बिजली बिल ज्यादा आने के कारण तो कई हो सकते हैं लेकिन लोगों के मन में यह धारणा बनाने का प्रयास कांग्रेस कर रही है कि स्मार्ट मीटर के कारण बिजली बिल ज्यादा आ रहा है। वह स्मार्ट मीटर के खिलाफ लोगों से फार्म भरवा रही है,जमा करवा रही है लोगों से कह रही है कि स्मार्ट मीटर के नाम पर संगठित लूट की जा रही है ताकि इसे आने वाले में जनता से जुड़ा बड़ा मुद्दा बना सके।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज ने बयान जारी कर कहा है कि यूपी के सीएम योगी के मंत्रिमंडल ने जैसे घरों से स्मार्ट मीटर हटाने का फैसला किया है क्योंकि स्मार्ट मीटर से बिजली की खपत ज्यादा आ रही थी, यहां भी साय सरकार को बिजली खपत ज्यादा आने को देखते हुए स्मार्ट मीटर घरों से हटाने का फैसला करना चाहिए। यानी कांग्रेस ज्यादा बिजली बिल को लेकर एक एक कदम आगे बढ़ रही है।वह लोगों को बता रही है, समझा रही है कि बिजली बिल ज्यादा आ रहा है तो इसके लिए सरकार दोषी है। यूपी की भाजपा सरकार इस समझ रही है तो यहां की भाजपा सरकार को भी समझना होगा कि इससे लोगों को परेशानी हो रही है।

यह सच है कि बिजली विभाग की तरफ से यह साफ कर दिया गया है कि स्मार्ट मीटर बिजली बिल नहीं बढ़ाता है।वह तो वास्तविक खपत के आधार पर सटीक बिल तैयार करता है।विभाग को बढ़े हुए बिजली बिल के विषय में साफ कहना है कि यदि किसी उपभोक्ता का बिजली बिल बढ़ा है तो उसका प्रमुख कारण बिजली की पहले से ज्यादा खपत व उच्च टैरिफ स्लैब में पहुंचना है। बिजली विभाग का यह भी साफ कहना है कि स्मार्ट मीटर वास्तविक समय में बिजली की खपत की जानकारी उपलब्ध कराता है।मोर बिजली एप के माध्यम से बिजली उपभोक्ता हर आधे घंटे में देख सकता है कि उसके घर में रोज कितनी बिजली खपत हो रही है। इससे वह जान सकता है कि कौन से बिजली चलने वाले उपकरण के कारण ज्यादा बिजली खपत हो रही है और वह बिजली की खपत कैसे कम कर सकता है।

माताएं-बहनें जहां काम करती हैं, आंगन-सा माहौल बन जाता है

करन सिंह होरा
संपादक
साकार भारत

भारतीय संस्कृति में आंगन केवल घर का एक हिस्सा नहीं, बल्कि अपनापन, सामूहिकता, संस्कार और प्रेम का प्रतीक माना गया है। यही वह स्थान है जहां परिवार के सदस्य एक-दूसरे के सुख-दुख साझा करते हैं और रिश्तों की गर्माहट बनी रहती है। हमारे साहित्य और संत परंपरा में भी आंगन का विशेष महत्व बताया गया है। गोस्वामी तुलसीदास ने आंगन को पारिवारिक आनंद और सौहार्द का केंद्र माना है। वे लिखते हैं- 'बरनि न जाइ रुचिर अँगनाई, जहँ खेलहिं नित चारिउ भाई।'

अर्थात जिस आंगन में श्रीराम सहित चारों भाई खेलते हों, उसकी सुंदरता का वर्णन शब्दों में संभव नहीं।

तुलसीदास जी ने एक अन्य प्रसिद्ध चौपाई में भी श्रीराम को 'दशरथ अजिर बिहारी 'अर्थात राजा दशरथ के आंगन में विहार करने वाला बताया है और प्रार्थना की है कि प्रभु हमारे जीवन और घर-आंगन में भी मंगल का वास करें। यह संदेश केवल धार्मिक नहीं, बल्कि सामाजिक भी है कि जहां प्रेम, सम्मान और सहयोग होता है, वहीं वास्तविक आंगन बसता है। आज के समय में यही भावना कार्यस्थलों पर भी दिखाई देती है। जिस कार्यालय, संस्थान या उद्योग में माताएं और बहनें कार्य करती हैं, वहां का वातावरण अधिक संवेदनशील, अनुशासित और सहयोगपूर्ण बन जाता है। महिलाओं की उपस्थिति से संवाद बेहतर होता है, टीम भावना मजबूत होती है और कार्यस्थल में अपनत्व का माहौल विकसित होता है। यही कारण है कि कई संस्थानों में महिला सहभागिता बढ़ने के साथ कार्य संस्कृति में सकारात्मक परिवर्तन देखने को मिले हैं।

इसके बावजूद भारत में महिला श्रम भागीदारी अभी भी पुरुषों की तुलना में काफी कम है। यदि अधिक से अधिक महिलाओं को शिक्षा, सुरक्षित कार्यस्थल, समान अवसर और सम्मानजनक रोजगार उपलब्ध कराया जाए तो न केवल परिवार आर्थिक रूप से सशक्त होंगे, बल्कि देश की अर्थव्यवस्था भी नई ऊंचाइयों तक पहुंचेगी।

मुक्त ही जाओ अहम से

"मुक्त हो जाओ अहम से,
मुक्त हो जाओगे ग़म से...
बॉंध लो स्नेह के धागों को,
पा जाओगे अपनेपन को...!"
कविता"आत्मा"

— Kavita Sharma Kaushik

युग तुलसी श्रीरामकिंकर उवाच ...

कैकेईजी उदार तो बहुत हैं पर उनको अपनी उदारता का भान भी है। और जहां व्यक्ति के मन में गुण का भान होगा वहां बिना अभिमान आए नहीं रहेगा। गुण अगर दूसरों को दिखाई दें तथा स्वयं को उसका भान न हो तब तो व्यक्ति के मन में अभिमान नहीं आएगा। पर अगर हमको यह दिखाई दे कि 'हममें यह गुण है' तो हमारे अंत:करण में अभिमान आना अवश्यंभावी है तथा कैकेईजी के अहम को मंथरा जगा देती है। इस मंथरा का सबसे महत्वपूर्ण कार्य यह है था कि कैकेईजी के पास रहते-रहते यह कैकेईजी के हृदय के सारे पक्षों से परिचित है तथा कैकेईजी के अंत:करण की दुर्बलता से परिचित थी। नहीं तो आप सोचिए कि जब कैकेईजी का श्रीराम के प्रति इतना उदार स्नेह मंथरा ने देखा तब तो मंथरा को निराश होकर यह सोच लेना चाहिए था कि मेरी यहां दाल नहीं गलेगी। लेकिन वह कहीं न कहीं यह जानती थी कि कैकेईजी के अंत:करण रूपी यमुना के एक कोने में अहंकार का कालिय नाग अवश्य सो रहा है, और मंथरा ने अहंकार के इस कालिय नाग को जगा दिया। तथा उस अहंकार को जगाने के लिए मंथरा ने जो विधि अपनाई, उसका बड़ा मनोवैज्ञानिक विश्लेषण गोस्वामीजी ने किया है।

शिष्य विधु व्ही.पी. नेगी
श्री रामकिंकर आध्यात्मिक मिशन रायपुर
मो.नं. 9425227937

वाटर मीटर रीडिंग का ट्रायल पूरा:औसतन 22 केएल की खपत, बिल 1900-2200 रुपए

रायपुर। जलकर वसूली अब मीटर रीडिंग के आधार पर की जाएगी। नगर निगम ने इसे लागू करने की तैयारी पूरी कर ली है। इसके लिए 3 महीने का सर्वे भी पूरा हो चुका है। सर्वे के आधार पर ही स्मार्ट मीटर रीडिंग की रिपोर्ट जलबोर्ड के सामने पेश की गई है। रिपोर्ट के अनुसार 80 फीसदी नल कनेक्शन में पानी की कम खपत देखने को मिली है। इस आधार पर यूजर को सालाना जलकर कम लगेगा। नगर निगम की टीम ने पिछले तीन महीने तक स्मार्ट सिटी के 24*7 पानी देने की योजना के तहत 4050 घरेलू नल कनेक्शन में लगाए गए स्मार्ट मीटर का सर्वे किया। सर्वे में सदर बाजार के 3500 मीटर और सिविल लाइन के करीब 350 मीटर की रीडिंग की गई और डेटा एनालाइज कर रिपोर्ट तैयार की गई। रिपोर्ट के अनुसार 80 फीसदी कनेक्शन में पानी की मासिक खपत 20 से 22 किलोलीटर ही देखने को मिली है। इस आधार पर पानी का बिल 160 से 170 रुपए प्रति माह आएगा। मतलब सालाना बिल 1920 से लेकर 2040 रुपए तक ही आएगा, जो वर्तमान फ्लैट टैरिफ से करीब 400 रुपए तक कम हो सकता है। अभी नगर निगम सभी 70 वार्डों में सालाना जलकर फ्लैट टैरिफ के आधार पर 2400 रुपए लेता है। ट्रायल के तौर पर इन वार्डों से लागू कर सकते हैं मीटर आधारित जलकर की वसूली पूरे शहर में इस व्यवस्था को लागू करना निगम के लिए चुनौती होगी। ऐसा इसलिए क्योंकि सभी वार्डों के नल कनेक्शन में अभी मीटर ही नहीं लगे हैं। करीब 28 हजार मीटर स्मार्ट सिटी के 24*7 योजना के तहत और अमृत मिशन के करीब 60 हजार कनेक्शन में ही लगाया गया है। ऐसे में सदर बाजार, मौदहापारा, सिविल लाइन, बैजनाथ पारा, सत्ती बाजार, टिकरापारा के कुछ हिस्से में मीटर रीडिंग के आधार पर जलकर वसूली के लिए ट्रायल शुरू किया जा सकता है। बताया जा रहा है कि प्रारंभिक स्तर पर निगम स्मार्ट सिटी के तहत दिए गए करीब 28 हजार कनेक्शन से ट्रायल शुरू कर सकता है।

एमआईसी में पेश करेंगे रिपोर्ट तीन महीने तक मीटर रीडिंग के बाद डेटा तैयार कर जलबोर्ड को रिपोर्ट दे दी गई है। यह रिपोर्ट आगामी एमआईसी की बैठक में प्रस्तुत करेंगे। यदि एमआईसी इसे पास करती है तो संबंधित वार्डों में व्यवस्था लागू करने की तैयारी करेंगे। - **योगेंद्र साहू, उप अभियंता नगर निगम रायपुर**

किराए पर उपलब्ध है
तेलीबांधा शीतल कॉम्प्लेक्स में दुकान/ऑफिस के लिए जगह किराए पर उपलब्ध है।
संपर्क-9302222222

'उत्तर छत्तीसगढ़ में 7 दिन भारी बारिश का अलर्ट: गरज-चमक के साथ बरसेंगे बादल,

रायपुर। छत्तीसगढ़ में मौसम विभाग ने उत्तर छत्तीसगढ़ के कई इलाकों में अगले एक सप्ताह तक भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। वहीं रायपुर और सरगुजा संभाग के कुछ स्थानों पर भी भारी बारिश की संभावना है। गरज-चमक और बिजली गिरने की चेतावनी भी दी गई है।

पिछले 24 घंटे में प्रदेश के उत्तर और मध्य हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश हुई, जबकि रायपुर और सरगुजा संभाग के कुछ इलाकों में भारी बारिश दर्ज की गई। सबसे ज्यादा 110 मिमी बारिश प्रतापपुर में रिकॉर्ड की गई।

हालांकि, लगातार बारिश के बावजूद पूरे मानसून सीजन में अब तक प्रदेश में सामान्य से 24% कम बारिश हुई है। यानी बारिश का आंकड़ा अभी भी सामान्य से नीचे बना हुआ है।

तापमान की बात करें तो प्रदेश का सबसे अधिक अधिकतम तापमान 30.8 डिग्री सेल्सियस रायपुर में दर्ज किया गया, जबकि सबसे कम न्यूनतम तापमान 23.4 डिग्री सेल्सियस पेंड्रा रोड में रिकॉर्ड हुआ।

नाबालिगों के वाहन चलाने पर रायपुर पुलिस सख्त

61 परिजनों की काउंसलिंग कर बोले- बच्चों को गाड़ी न दें, सुरक्षा जरूरी, वरना कार्रवाई होगी

रायपुर। रायपुर में नाबालिगों के वाहन चलाने के बढ़ते मामलों को देखते हुए पुलिस ने सख्ती शुरू कर दी है। विशेष अभियान के तहत शहर के कई स्कूलों के बाहर जांच के दौरान 61 नाबालिग छात्रों को दोपहिया वाहन चलाते हुए पकड़ा गया।

सभी छात्रों के अभिभावकों को शाम 5 बजे यातायात मुख्यालय, कालीबाड़ी बुलाकर काउंसलिंग की गई और भविष्य में नाबालिगों को वाहन नहीं देने की समझाइश दी गई।

डीसीपी बोली- बच्चों को सुरक्षित करना उद्देश्य

पुलिस कमिश्नरेट रायपुर में डीसीपी (यातायात) डॉ. अर्चना झा के निर्देश पर चलाए गए इस अभियान का उद्देश्य स्कूली बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। यातायात पुलिस ने स्पष्ट किया कि आने वाले दिनों में भी स्कूलों के बाहर नियमित जांच अभियान जारी रहेगा।

काउंसलिंग कार्यक्रम में डीसीपी डॉ. अर्चना झा ने अभिभावकों से कहा कि, पुलिस का मकसद कार्रवाई करना नहीं, बल्कि बच्चों की जान बचाना है। उन्होंने सड़क दुर्घटनाओं से जुड़े वीडियो और प्रेजेंटेशन के जरिए बताया कि कम उम्र में वाहन चलाना बच्चों के लिए कितना खतरनाक साबित हो सकता है।

25 हजार तक का जुर्माना, तीन साल तक की सजा

पुलिस ने अभिभावकों को मोटर वाहन अधिनियम की धारा 199 की जानकारी देते हुए बताया कि नाबालिग को वाहन चलाने देना कानूनन अपराध है। ऐसे मामलों में वाहन मालिक या अभिभावक पर 25 हजार रुपए तक का जुर्माना, तीन साल तक की सजा और नाबालिग के 18 वर्ष की आयु पूरी होने के बाद भी निर्धारित अवधि तक ड्राइविंग लाइसेंस जारी नहीं किए जाने का प्रावधान है।

बच्चों के लिए सुरक्षित परिवहन व्यवस्था का ही करें इस्तेमाल

चूंकि अधिकांश मामलों में यह पहली गलती थी, इसलिए बच्चों के भविष्य को देखते हुए उन्हें चेतावनी देकर छोड़ा गया। पुलिस ने अभिभावकों से अपील की कि वे सुविधा के लिए नाबालिग बच्चों को दोपहिया वाहन न दें और स्कूल भेजने के लिए स्कूल बस या अन्य सुरक्षित परिवहन व्यवस्था का ही इस्तेमाल करें।

पीपल वन और 108 जलाशयों के किनारे होगा पौधारोपण: 'पीपल सिटी' बनेगा नवा रायपुर, 5 साल में लगेंगे 1.25 लाख पौधे

रायपुर। नवा रायपुर अटल नगर को प्रदेश की पहली 'पीपल सिटी' के रूप में विकसित करने की तैयारी शुरू हो गई है। नवा रायपुर विकास प्राधिकरण (एनआरडीए) ने अगले पांच वर्षों में 1.25 लाख विकसित पौधे लगाने की योजना बनाई है।

हर साल करीब 25 हजार ऐसे पौधे लगाए जाएंगे, जिनकी ऊंचाई लगभग 10 फीट होगी। बड़े पौधे लगाने से उनके जीवित रहने की संभावना अधिक रहेगी और कम समय में हरियाली विकसित होगी।

अभियान में सबसे ज्यादा पीपल के पौधे लगाए जाएंगे। इसके साथ ही नीम समेत अन्य छायादार और पर्यावरण के लिए उपयोगी प्रजातियों का भी रोपण होगा। शहर की सड़कों, ग्रीन बेल्ट, पार्क, जलाशयों और सरकारी खाली जमीनों को हराभरा किया जाएगा।

योजना के तहत सेक्टर-16 में 24 एकड़ क्षेत्र में पीपल वन विकसित किया जाएगा। यहां पहले से मौजूद आम्रकुंज के साथ बड़ी संख्या में पीपल लगाए जाएंगे। सेक्टर-39 (मुढ़पार) में 16 एकड़ में दूसरा ब्लॉक प्लांटेशन तैयार होगा, जबकि सेक्टर-24 स्थित बायोडायवर्सिटी पार्क के पीछे 75 एकड़ में मिश्रित पौधारोपण किया जाएगा।

इसके अलावा 108 जलाशयों और करीब 33 किलोमीटर लंबी जलधाराओं के किनारे भी पौधे लगाए जाएंगे, ताकि हरियाली के साथ जल संरक्षण को भी बढ़ावा मिले।

आधुनिक नर्सरी से होगी पौधों की आपूर्ति साउथ सेंट्रल पार्क में चार एकड़ क्षेत्र में आधुनिक नर्सरी तैयार की गई है। यहां विकसित पीपल के पौधे तैयार किए जा रहे हैं। 5 वर्षों तक इसी नर्सरी से पौधे उपलब्ध कराए जाएंगे। भविष्य में यहां नीम, कनेर, बोगनवेलिया और मौसमी फूलों के पौधे भी तैयार किए जाएंगे।

बड़े पौधों से जल्द बढ़ेगी हरियाली अभियान में छोटे पौधों की बजाय बड़े और विकसित पौधों को प्राथमिकता दी जाएगी। इससे पौधों के सूखने की संभावना कम होगी और वे जल्द वृक्ष का रूप ले सकेंगे। विशेषज्ञों के अनुसार सड़क किनारे घने पेड़ धूल और वायु प्रदूषण कम करने में भी मददगार होते हैं।

धार्मिक और औषधीय महत्व भी पीपल का वृक्ष पर्यावरणीय दृष्टि से महत्वपूर्ण होने के साथ आयुर्वेद और भारतीय परंपरा में भी विशेष स्थान रखता है। इसकी पत्तियां, छाल, जड़ और फल औषधीय उपयोग में आते हैं, जबकि धार्मिक मान्यताओं में इसे पवित्र वृक्ष माना जाता है।

श्रावणी मेला पर 1 से 30 अगस्त तक स्पेशल ट्रेन : इतवारी-मधुपुर के बीच 5-5 फेरे लगाएगी, रायपुर-दुर्ग-भाटापारा में भी स्टॉपेज

रायपुर। इस बार श्रावणी मेला में बाबाधाम (देवघर) जाने का प्लान बना रहे हैं, तो आपके लिए अच्छी खबर है। रेलवे ने श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए नेताजी सुभाष चंद्र बोस इतवारी (नागपुर) से मधुपुर के बीच श्रावणी मेला स्पेशल ट्रेन चलाने का फैसला किया है। यह ट्रेन 1 अगस्त से 30 अगस्त तक 5-5 फेरे लगाएगी।

कब चलेगी ट्रेन?

ट्रेन नंबर 08895 (इतवारी-मधुपुर) : 1 अगस्त से 29 अगस्त तक, हर शनिवार

ट्रेन नंबर 08896 (मधुपुर-इतवारी) : 2 अगस्त से 30 अगस्त तक, हर रविवार

रायपुर रेल मंडल के इन स्टेशनों पर मिलेगा स्टॉप

इस स्पेशल ट्रेन का ठहराव दुर्ग, रायपुर और भाटापारा में रहेगा। इसके अलावा बिलासपुर, चांपा, रायगढ़, बेलपहाड़, ब्रजराजनगर समेत कई स्टेशनों पर भी ट्रेन रुकेगी।

कितने बजे पहुंचेगी रायपुर?

08895 इतवारी-मधुपुर

रायपुर आगमन : सुबह 9:30 बजे

प्रस्थान : 9:35 बजे

08896 मधुपुर-इतवारी

रायपुर आगमन : सुबह 5:20 बजे

स्मार्ट मीटर-बढ़े बिजली बिल के विरोध में उतरेगी कांग्रेस:23 जुलाई को धरना प्रदर्शन

रायपुर। स्मार्ट मीटर और बढ़े हुए बिजली बिलों के मुद्दे पर कांग्रेस ने राज्य सरकार के खिलाफ आंदोलन का ऐलान किया है। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महामंत्री कन्हैया अग्रवाल और असंगठित क्षेत्र समस्या निवारण प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष मोहम्मद सिद्दीक ने बताया कि 23 जुलाई को रायपुर के राजीव गांधी चौक पर एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन किया जाएगा।

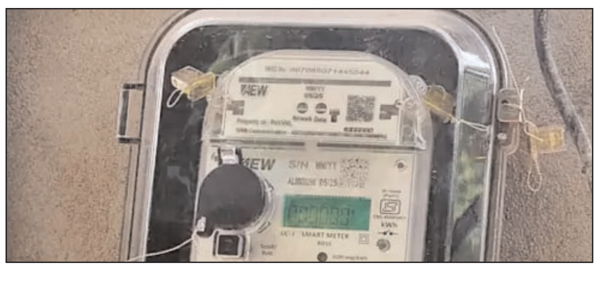

इस प्रदर्शन में कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ स्मार्ट मीटर और बढ़े हुए बिजली बिलों से परेशान उपभोक्ता भी शामिल होंगे। कांग्रेस नेताओं ने मांग की है कि जिन घरों में स्मार्ट मीटर लगाए जा चुके हैं, उन्हें तत्काल हटाया जाए। साथ ही नए स्मार्ट मीटर लगाने की प्रक्रिया पर रोक लगाई जाए। बढ़े हुए बिजली बिलों की निष्पक्ष जांच कर उपभोक्ताओं को राहत देने की भी मांग की गई।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महामंत्री कन्हैया अग्रवाल ने कहा कि स्मार्ट मीटर और बढ़े हुए बिजली बिलों से परेशान लोगों की आवाज उठाने के लिए यह आंदोलन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह धरना-प्रदर्शन प्रदेश सरकार को 'कुंभकर्णी नींद' से जगाने का काम करेगा।

मोहम्मद सिद्दीक ने आरोप लगाया कि प्रदेश में स्मार्ट मीटर लगाए जाने के बाद बड़ी संख्या में उपभोक्ताओं के बिजली बिल पहले की तुलना में दो से तीन गुना तक बढ़ गए हैं। इससे आम और मध्यमवर्गीय परिवारों का मासिक बजट पूरी तरह बिगड़ गया है।

एम्स-रायपुर में लैब टेस्ट के लिए पर्ची की झंझट खत्म:पेपर लेस हुआ सिस्टम, टेस्ट लिखते ही मरीज का डेटा सीधे सैंपल सेंटर पहुंचेगा

रायपुर। एम्स रायपुर ने मरीजों की सुविधा के लिए बड़ा बदलाव किया है। अब ओपीडी के मरीजों को लैब टेस्ट कराने के लिए प्रिंटेड पर्ची लेकर घूमने की जरूरत नहीं होगी। डॉक्टर जैसे ही टेस्ट लिखेंगे, उसकी जानकारी सीधे सिस्टम में पहुंच जाएगी। मरीज सीधे डोम-1 फलेबोटोमी जोन जाकर सैंपल दे सकेंगे।

अब कैसे होगा पूरा प्रोसेस?

पहले मरीज को डॉक्टर से पर्ची लेकर लैब पहुंचना पड़ता था। अब ऐसा नहीं होगा। डॉक्टर सिस्टम में टेस्ट रिक्वेस्ट डालेंगे। जानकारी सीधे लैब के सिस्टम में पहुंच जाएगी। मरीज सीधे डोम-1 फलेबोटोमी जोन जाएगा। वहां रजिस्ट्रेशन के बाद बारकोड बनेगा।

फिर ब्लड या दूसरे सैंपल लिए जाएंगे। यानी पूरी प्रक्रिया पहले से ज्यादा आसान और तेज हो जाएगी।

फलेबोटोमी जोन क्या होता समझिए

फलेबोटोमी का मतलब होता है ब्लड सैंपल (खून का नमूना) लेने की प्रक्रिया। फलेबोटोमी जोन यानी अस्पताल का वह सैंपल कलेक्शन सेंटर, जहां मरीजों के ब्लड और दूसरे लैब सैंपल लिए जाते हैं।

मरीजों को क्या फायदा?

प्रिंटेड पर्ची की जरूरत खत्म।

पर्ची खोने का डर नहीं।

कम समय में सैंपल कलेक्शन।

कम इंतजार।

पूरी प्रक्रिया ज्यादा आसान और सुरक्षित।

इसके साथ ही पेपर का इस्तेमाल भी कम होगा, जिससे पर्यावरण को भी फायदा मिलेगा।

बच्चों के लिए भी खास इंतजाम

डोम-1 में बच्चों के लिए अलग चाइल्ड-फ्रेंडली सैंपल कलेक्शन रूम बनाया गया है। यहां ऑडियो-वीडियो की सुविधा रहेगी ताकि ब्लड सैंपल देते समय बच्चे घबराएं नहीं।

छत्तीसगढ़ में सोनम वांगचुक के समर्थन में प्रदर्शन:रायपुर में खून से लिखा-धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा दो; अनशन पर कार्यकर्ता, PM के नाम सौंपा पत्र

रायपुर। छत्तीसगढ़ में सोनम वांगचुक के समर्थन में युवाओं ने प्रदर्शन किया। रायपुर में **NSUI** कार्यकर्ताओं ने **NEET** पेपर लीक का विरोध जताया। डॉ. भीमराव अंबेडकर चौक पर अलग-अलग छात्र संगठनों, सामाजिक संगठनों से जुड़े युवा धरने में शामिल हुए।

प्रदर्शन के दौरान **NSUI** के 5 कार्यकर्ता अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठ गए। हंगर स्ट्राइक करने वालों में हेमंत पाल, अनुज शुक्ला, इंडिया घृतलहरे, ड्रिंकल और सोनम शामिल हैं। इसके अलावा प्रदर्शनकारियों ने खून से 'धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा दो' लिखकर विरोध दर्ज कराया। वहीं, धमतरी में सामाजिक कार्यकर्ता मितेश जैन ने गांधी मैदान में एक दिवसीय अनशन किया। अनशन स्थल पर 'एक दिवसीय अनशन- सोनम वांगचुक के समर्थन में' का बैनर लगाया गया था। इस दौरान शहर के कई लोगों ने भी समर्थन दिया। इधर, बीजापुर में भी सोनम वांगचुक के आमरण अनशन के समर्थन में बस्तर संभाग के आदिवासी युवा छात्र संगठन ने राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, राज्यपाल और मुख्यमंत्री को पत्र भेजा है। संगठन ने इन पत्रों के जरिए वांगचुक की मांगों पर सकारात्मक पहल करने की अपील की है। रायपुर में प्रदर्शनकारियों का कहना है कि वे दिल्ली के जंतर-मंतर पर चल रहे आंदोलन में शामिल होने नहीं जा सके। इसलिए वे रायपुर में रहकर ही सोनम वांगचुक और शिक्षा सुधार की मांगों के समर्थन में प्रदर्शन कर रहे हैं। उनका कहना है कि यह आंदोलन किसी एक व्यक्ति का नहीं, बल्कि देशभर के छात्रों और युवाओं के भविष्य से जुड़ा मुद्दा है।

धरने में शामिल छात्रों और युवाओं ने कहा कि देशभर में लगातार सामने आ रहे पेपर लीक के मामलों ने लाखों प्रतियोगी परीक्षार्थियों का भविष्य प्रभावित किया है।

वास्तु गुरुजी सिकंदर राणा जी के अनुसार आज का राशिफल

मो.नं. : 9770888888

मेष। आज का दिन आपके प्रेम जीवन के लिए मिला-जुला रह सकता है। यदि जीवनसाथी या प्रेमी के साथ किसी बात को लेकर मनमुटाव चल रहा है, तो उसे अनदेखा करने के बजाय खुलकर बातचीत करें। ईमानदार संवाद से गलतफहमियां दूर होंगी और रिश्ते में विश्वास बढ़ेगा। गुस्से या जिद से बचें, क्योंकि छोटी-सी बात भी बड़ा विवाद बन सकती है।

वृषभ। आज प्रेम संबंधों में शुरुआत थोड़ी सामान्य रह सकती है। छोटी-छोटी बातों पर मतभेद होने की संभावना है, लेकिन यदि आप संयम बनाए रखेंगे तो स्थिति जल्दी ही सामान्य हो जाएगी। शाम का समय बेहद सुखद और रोमांटिक रहेगा। जीवनसाथी या प्रेमी के साथ कहीं घूमने या साथ समय बिताने का अवसर मिल सकता है। रिश्तों में विश्वास और अपनापन बढ़ेगा।

मिथुन। आज का दिन प्रेम जीवन के लिए बेहद शुभ और आनंददायक रहेगा। लंबे समय से चली आ रही गलतफहमियां दूर होंगी और रिश्तों में नई ऊर्जा का संचार होगा। यदि किसी कारण से प्रेम संबंधों में दूरी आ गई थी, तो आज उसे खत्म करने का अच्छा अवसर मिलेगा। जीवनसाथी के साथ मधुर बातचीत और भावनात्मक जुड़ाव बढ़ेगा।

कर्क। आज जीवनसाथी या प्रेमी के साथ अच्छा समय बिताने का अवसर मिलेगा। यदि लंबे समय से व्यस्तता के कारण एक-दूसरे को समय नहीं दे पा रहे थे, तो आज वह कमी पूरी हो सकती है। कुछ जातक रोमांटिक डेट या छोटी यात्रा का आनंद ले सकते हैं। रिश्तों में प्यार और विश्वास बढ़ेगा। विवाहित जीवन में मधुरता बनी रहेगी और परिवार का वातावरण सुखद रहेगा। अविवाहित लोगों को किसी खास व्यक्ति से मिलने का अवसर मिल सकता है।

सिंह। आज आप अपनी व्यस्त दिनचर्या से समय निकालकर जीवनसाथी या प्रेमी के साथ सुकून के पल बिताने का प्रयास करेंगे। कहीं घूमने-फिरने या छोटी यात्रा की योजना बन सकती है, जिससे रिश्तों में नई ताजगी आएगी। प्रेम संबंधों में विश्वास और अपनापन बढ़ेगा। विवाहित जातकों के लिए दिन सुखद रहेगा। अविवाहित लोगों को किसी खास व्यक्ति से मुलाकात हो सकती है। साथी की भावनाओं को समझने और उन्हें समय देने से संबंध और मजबूत होंगे।

कन्या। आज प्रेम संबंधों में सावधानी बरतने की आवश्यकता है। किसी तीसरे व्यक्ति की बातों में आकर अपने साथी पर शक न करें, क्योंकि इससे रिश्ते में अनावश्यक तनाव पैदा हो सकता है। यदि किसी बात को लेकर मन में संदेह है, तो खुलकर बातचीत करें। विश्वास और पारदर्शिता ही आपके रिश्ते की सबसे बड़ी ताकत होगी। विवाहित जातकों को जीवनसाथी की भावनाओं को समझना चाहिए।

तुला। आज आर्थिक मामलों में विशेष सावधानी बरतने की आवश्यकता है। निवेश से जुड़े किसी भी निर्णय को जल्दबाजी में न लें और विशेषज्ञों की सलाह अवश्य लें। पैसों के लेन-देन में सतर्कता रखें, क्योंकि छोटी सी लापरवाही नुकसान का कारण बन सकती है। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत रंग लाएगी, लेकिन परिणाम मिलने में थोड़ा समय लग सकता है।

वृश्चिक। आज का दिन प्रेम जीवन में थोड़ी चुनौतियां लेकर आ सकता है। किसी बात को लेकर मन में असमंजस या तनाव रह सकता है, लेकिन धैर्य बनाए रखना ही सबसे अच्छा उपाय होगा। साथी की बातों को समझने की कोशिश करें और जल्दबाजी में कोई निर्णय न लें। विवाद की स्थिति में शांत रहकर बातचीत करें। विवाहित जीवन में संयम और विश्वास बनाए रखना आवश्यक होगा।

धनु। आज सितारे आपके पक्ष में हैं और प्रेम जीवन में खुशियों का संचार होगा। जीवनसाथी या प्रेमी के साथ बिताया गया समय यादगार रहेगा। रिश्तों में विश्वास और समझ बढ़ेगी। यदि आप अपने मन की बात कहना चाहते हैं, तो आज का दिन अनुकूल है। अविवाहित लोगों को नया रिश्ता मिलने के संकेत हैं। परिवार का वातावरण भी सुखद रहेगा और प्रियजनों का सहयोग मिलेगा। किसी रोमांटिक यात्रा या विशेष योजना का अवसर बन सकता है। आपका सकारात्मक व्यवहार रिश्तों में नई ऊर्जा भर देगा।

मकर। आज वैवाहिक और प्रेम जीवन में बेहद सकारात्मक परिणाम मिलेंगे। जीवनसाथी के साथ संबंध पहले से अधिक मजबूत होंगे और आपसी विश्वास बढ़ेगा। यदि किसी बात को लेकर दूरी थी, तो आज उसे दूर करने का अच्छा अवसर मिलेगा। अविवाहित लोगों को मनचाहा प्रस्ताव मिल सकता है। परिवार के साथ समय बिताने से मानसिक शांति मिलेगी। साथी का सहयोग आपके आत्मविश्वास को बढ़ाएगा और भविष्य की योजनाओं पर भी चर्चा हो सकती है।

कुंभ। आज प्रेम जीवन में रोमांस के अच्छे अवसर मिलेंगे, लेकिन छोटी-छोटी गलतफहमियां भी पैदा हो सकती हैं। इसलिए किसी भी बात पर जल्दबाजी में प्रतिक्रिया देने से बचें। साथी की भावनाओं को समझने का प्रयास करें और खुलकर बातचीत करें। विवाहित जातकों के लिए दिन सामान्य रहेगा, जबकि अविवाहित लोगों को किसी नए व्यक्ति से मिलने का अवसर मिल सकता है। परिवार का सहयोग मिलेगा और घरेलू वातावरण सुखद रहेगा। यदि आप धैर्य और समझदारी से काम लेंगे, तो रिश्तों में मिठास बनी रहेगी।

मीन। आज का दिन आपके प्रेम जीवन के लिए काफी सुखद और सुकूनभरा रहने वाला है। जीवनसाथी या प्रेमी के साथ बिताए गए पल आपको मानसिक शांति और खुशी देंगे। रिश्तों में विश्वास, अपनापन और भावनात्मक जुड़ाव बढ़ेगा। यदि किसी बात को लेकर पहले मनमुटाव था, तो आज उसका समाधान निकल सकता है। अविवाहित लोगों के लिए भी नए रिश्ते की संभावना बन रही है। परिवार का वातावरण आनंदमय रहेगा और प्रियजनों का पूरा सहयोग मिलेगा। शाम का समय रोमांटिक रहेगा और किसी विशेष योजना पर चर्चा हो सकती है। प्रेम, धैर्य और समझदारी आपके रिश्तों को और अधिक मजबूत तथा खुशहाल बनाएगी।

सीएम की समीक्षा बैठकः हेलीकॉप्टर से बीज गिराकर वन विस्तार की बनाएं योजना, पौधारोपण बढ़ाएं

एक क्लिक पर दिखेगा झारखंड का पूरा जंगल, वन में बदलाव की मिलेगी जानकारी, एक माह में बनेगा डिजिटल वन रिकॉर्ड

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने राज्य के वन संसाधनों के संरक्षण और वैज्ञानिक प्रबंधन को नई दिशा देने के लिए सोमवार को वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की।

उन्होंने राज्य गठन के बाद अब तक के सभी वन क्षेत्रों का एक माह के भीतर तकनीकी एवं डिजिटल रिकॉर्ड तैयार करने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसी व्यवस्था विकसित की जाए, जिससे एक क्लिक पर पूरे राज्य के वन क्षेत्रों की वास्तविक स्थिति, क्षेत्रफल, समय-समय पर हुए बदलाव और वर्तमान स्वरूप की जानकारी उपलब्ध हो सके।

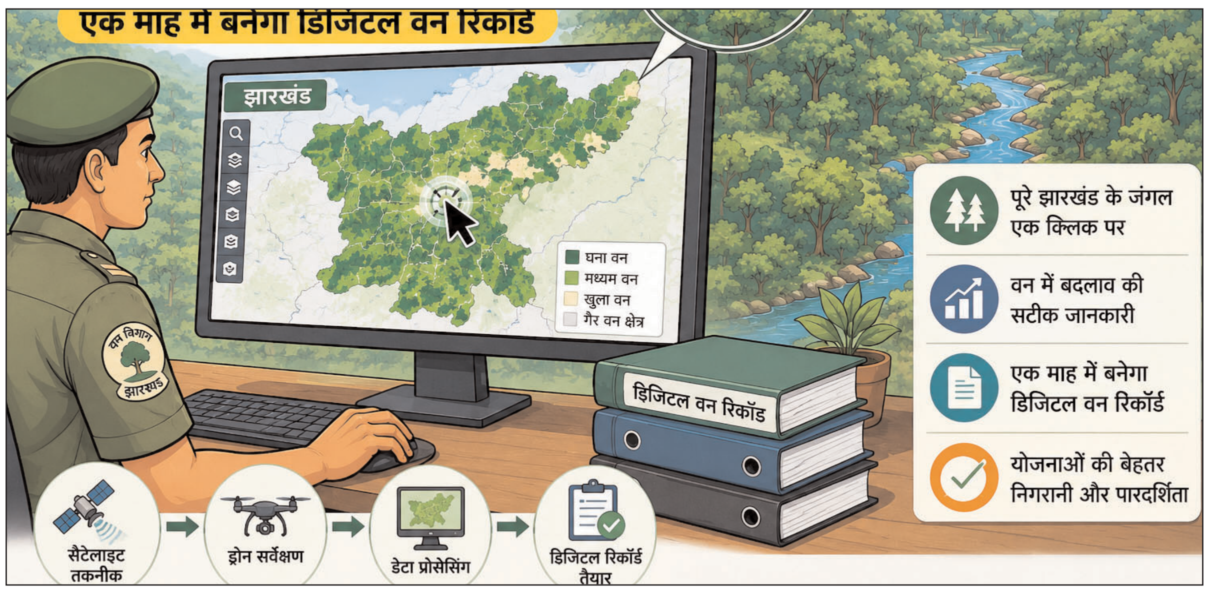

मुख्यमंत्री ने शहरी क्षेत्रों में हरित आवरण बढ़ाने पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि शहरों में बड़े पैमाने पर छायादार पौधे लगाए जाएं और राज्य सरकार की 'एक पेड़ लगाएं, पांच यूनिट मुफ्त बिजली पाएं' योजना का प्रभावी प्रचार-प्रसार किया जाए, ताकि अधिक से अधिक लोग इससे जुड़ सकें। उन्होंने पौधारोपण को जनभागीदारी से जोड़कर जन आंदोलन का स्वरूप देने की आवश्यकता बताई।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य गठन के बाद वन क्षेत्रों में कई तरह के बदलाव हुए हैं। कहीं जंगलों का विस्तार हुआ है तो कहीं खनन, इको टूरिज्म परियोजनाओं और अन्य विकास कार्यों के कारण उनका स्वरूप बदला है। वन्यजीव अभयारण्यों और राष्ट्रीय उद्यानों की सीमाओं में भी परिवर्तन आया है। ऐसे में अद्यतन डिजिटल दस्तावेज तैयार करना समय की जरूरत है। उन्होंने वनों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए बड़े पैमाने पर पौधारोपण और सूखे व अनुपयोगी पेड़ों की वैज्ञानिक कटाई की कार्ययोजना बनाने को कहा। साथ ही हेलीकॉप्टर के माध्यम से बीज गिराकर वन क्षेत्रों का विस्तार करने की संभावनाओं पर भी योजना तैयार करने का निर्देश दिया।

मुख्यमंत्री ने वन पट्टा के लंबित मामलों का शीघ्र निष्पादन सरकार की प्राथमिकता बताते हुए पात्र लोगों को समय पर पट्टा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने काजू और बांस की व्यावसायिक खेती के लिए बड़े भू-भाग चिह्नित करने को कहा, ताकि किसानों की आय बढ़े और बांस आधारित उद्योगों व हस्तशिल्प को प्रोत्साहन मिल सके।

आयोग के अंदर विरोधःजेपीएससी; यूपी में ब्लैक लिस्टेड एजेंसी झारखंड में करा रही भर्ती परीक्षाएं

रांची। झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) की भर्ती परीक्षाएं एक बार फिर विवादों के केंद्र में हैं। 14वीं संयुक्त असैनिक सेवा (राज्य सिविल सेवा) प्रारंभिक परीक्षा के रिजल्ट को लेकर पहले से घिरे आयोग पर अब परीक्षा संचालन की पूरी व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल उठ खड़े हुए हैं।

आयोग ने विभिन्न भर्ती परीक्षाओं में वन टाइम रजिस्ट्रेशन (ओटीआर) से लेकर अंतिम रिजल्ट प्रोसेसिंग तक की पूरी जिम्मेदारी एक ही प्राइवेट एजेंसी को सौंप दी है। इस कंपनी को अनियमितता के कारण उत्तर प्रदेश (यूपी) में ब्लैक लिस्ट किया जा चुका है। पहले परीक्षा प्रणाली में कई स्तरों पर सुरक्षा व्यवस्था लागू रहती थी।

प्री-प्रोसेसिंग, पोस्ट-प्रोसेसिंग, कॉन्फिडेंशियल प्रिंटिंग, डेटा प्रोसेसिंग और रिजल्ट प्रोसेसिंग जैसे कार्य अलग-अलग एजेंसियों को दिए जाते थे। इसका उद्देश्य था कि किसी एक एजेंसी के पास पूरी परीक्षा प्रक्रिया का नियंत्रण न रहे। इससे न केवल गोपनीयता बनी रहती थी बल्कि अनियमितता या कनफ्लिक्ट ऑफ इंटरेस्ट की आशंका भी कम हो जाती थी। इस मामले में बड़ी बात यह है कि नियुक्ति परीक्षाओं पर सवाल बाहर से नहीं, आयोग के अंदर से उठ रहे हैं। आयोग सदस्य ने सीएम को पत्र भेजकर शिकायत की है।

मामला इसलिए और गंभीर माना जा रहा है क्योंकि जिस एजेंसी टीएसआर डाटा प्रोसेसिंग प्राइवेट लिमिटेड (टीडीपीएल) को यह जिम्मेदारी मिली है, उसका नाम पहले उत्तर प्रदेश की प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के मामलों में भी सामने आ चुका है। इसी मामले में उत्तर प्रदेश हाईकोर्ट की एक टिप्पणी की थी। इसलिए राज्य सरकार यह सुनिश्चित करे कि भविष्य में राज्य की किसी भी भर्ती परीक्षा, सचिवालय, विधान परिषद, विधानसभा अथवा राज्य के किसी निगम या एजेंसी की चयन प्रक्रिया का कार्य इन्हें नहीं सौंपा जाए।

अभी एक ही एजेंसी कर रही ये 8 कार्य

- वन टाइम रजिस्ट्रेशन (ओटीआर)
- ऑनलाइन एप्लीकेशन प्रोसेसिंग
- एडमिट कार्ड जेनरेशन
- क्वेश्चन पेपर प्रिंटिंग
- ओएमआर शीट व आंसर बुकलेट प्रिंटिंग
- ओएमआर स्कैनिंग
- ऑनलाइन स्क्रीन मार्किंग (ओएसएम)
- रिजल्ट प्रोसेसिंग

एक एजेंसी के कंट्रोल में पूरी भर्ती प्रक्रियाजेपीएससी पहले से ही 14वीं संयुक्त असैनिक सेवा प्रारंभिक परीक्षा के रिजल्ट को लेकर विवादों में है। आयोग के सभी सदस्यों द्वारा रिजल्ट पर हस्ताक्षर नहीं किए जाने, कट-ऑफ सार्वजनिक नहीं करने, वायरल ओएमआर और मूल्यांकन प्रक्रिया को लेकर लगातार सवाल उठते रहे हैं। अब परीक्षा संचालन प्रणाली को लेकर सामने आए नए आरोपों ने विवाद को और गहरा कर दिया है। शिकायत पत्र में कहा गया है कि जेपीएससी के इतिहास में पहली बार किसी एक एजेंसी को नियुक्ति परीक्षा के सभी आठ संवेदनशील चरण सौंप दिए गए हैं। जब आवेदन, परीक्षा, मूल्यांकन और रिजल्ट तक की पूरी चेन एक ही एजेंसी के पास हो, तब परीक्षा की निष्पक्षता को लेकर सवाल उठना स्वाभाविक है।

जंगली मशरूम खाने से एक ही परिवार के छह बीमारः उल्टी-पेट दर्द, घबराहट की शिकायत के बाद गिरिडीह सदर अस्पताल में भर्ती

गिरिडीह। गिरिडीह जिले के गांडेय थाना क्षेत्र के झरगट्टा गांव में जंगली मशरूम खाने से एक ही परिवार के छह सदस्य फूड पॉइजनिंग का शिकार हो गए। सभी को इलाज के लिए गिरिडीह सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां चिकित्सकों की निगरानी में उनका उपचार जारी है।

बीमार होने वालों में 18 वर्षीय नेहा कुमारी, 50 वर्षीय दशरथ गोस्वामी, 19 वर्षीय कृष्णा गोस्वामी, 4 वर्षीय अर्चना कुमारी, 25 वर्षीय विशाल गोस्वामी और 45 वर्षीय गीता देवी शामिल हैं।

परिजनों के अनुसार, परिवार के सदस्यों ने दोपहर में जंगल से लाए गए मशरूम की सब्जी बनाकर खाई थी। भोजन करने के कुछ ही देर बाद सभी को उल्टी, पेट दर्द, घबराहट और बेचैनी की शिकायत होने लगी। तबीयत बिगड़ने पर परिजनों ने उन्हें तत्काल गिरिडीह सदर अस्पताल पहुंचाया। सदर अस्पताल के चिकित्सकों ने बताया कि समय पर अस्पताल पहुंचने के कारण सभी मरीजों की स्थिति फिलहाल नियंत्रण में है और उन्हें आवश्यक उपचार दिया जा रहा है। इस घटना के बाद चिकित्सकों ने लोगों से अपील की है कि वे जंगल से लाए गए या बिना पहचान वाले जंगली मशरूम का सेवन करने से बचें।

रिम्स जमीन फर्जीवाड़ा मामला : दो महिला आरोपियों ने किया विशेष कोर्ट के समक्ष सरेंडर

रांची। रिम्स की अरबों की अधिग्रहीत जमीन में हुए अतिक्रमण व अवैध खरीद बिक्री मामले में एसीबी का शिकंजा कसता जा रहा है। झारखंड हाईकोर्ट के कड़े रुख के बाद मामले की दो नामजद आरोपियों सुमित्रा कुमारी बड़ाईक और मुन्नी कुमारी ने सोमवार को एसीबी की विशेष अदालत के समक्ष सरेंडर कर दिया। अदालत ने सरेंडर के बाद दोनों आरोपियों को 25-25 हजार रुपए के दो निजी मुचलके जमा कराने की शर्त पर नियमित जमानत प्रदान कर दी। दोनों महिला आरोपियों को पूर्व में झारखंड हाईकोर्ट से जमानत की राहत मिल चुकी थी।

हालांकि, अदालत ने सख्त लहजे में निर्देश दिया था कि आदेश जारी होने के दो सप्ताह के भीतर उन्हें हर हाल में निचली अदालत (एसीबी कोर्ट) के समक्ष उपस्थित होकर औपचारिक आत्मसमर्पण करना होगा। हाईकोर्ट की इसी समय सीमा और सख्त रुख का अनुपालन करते हुए दोनों आरोपियों ने एसीबी कोर्ट का दरवाजा खटखटाया।

यह पूरा मामला वर्ष 1964-65 का है, जब तत्कालीन आरएमसीएच (अब रिम्स) के विस्तार के लिए करीब 9.65 एकड़ सरकारी जमीन अधिग्रहीत की गई थी। भू-माफिया और आरोपियों ने सरकारी अधिकारियों व कर्मचारियों के साथ मिलकर रिम्स की इस बेशकीमती जमीन को अपनी निजी संपत्ति साबित करने के लिए फर्जी वंशावली और फर्जी कागजात तैयार किए। फर्जी पेपर्स के दम पर करोड़ों रुपए की सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा जमाया गया और देखते ही देखते उस पर बहुमंजिला अपार्टमेंट, दुकानें और निजी मकान तक खड़े कर दिए गए। एसीबी ने मामले में 5 जनवरी 2026 को औपचारिक प्राथमिकी दर्ज की थी।

दो महिला आरोपियों के सरेंडर और मुख्य आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद अब जांच अंतिम और सबसे निर्णायक चरण में पहुंच गई है। 1964 से लेकर अब तक रिम्स की जमीन की फर्जी जमाबंदी और म्यूटेशन (दाखिल-खारिज) करने वाले अंचल कार्यालय (अंचलाधिकारी व राजस्व कर्मचारी) के तत्कालीन अधिकारियों को एसीबी समन भेजने की तैयारी कर रही है।

गिरिडीह में 119 विकास योजनाओं का शिलान्यासः मंत्री सुदिव्य कुमार ने 17.39 करोड़ की योजनाओं की गुणवत्ता पर जोर दिया

गिरिडीह। गिरिडीह नगर निगम क्षेत्र में सोमवार को 17 करोड़ 39 लाख रुपए की 119 विकास योजनाओं का शिलान्यास किया गया। नगर विकास एवं आवास विभाग के मंत्री सुदिव्य कुमार ने इन योजनाओं का विधिवत शिलान्यास करते हुए संवेदकों और अधिकारियों को गुणवत्ता सुनिश्चित करने के सख्त निर्देश दिए।

यह कार्यक्रम नगर निगम कार्यालय परिसर में आयोजित किया गया। इसकी शुरुआत पूजा-अर्चना, दीप प्रज्ज्वलन और नारियल फोड़कर हुई। इस अवसर पर महापौर प्रमिला मेहरा, उप महापौर सुमित कुमार, उपायुक्त, नगर निगम के अधिकारी-कर्मचारी, वार्ड पार्षद और बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद रहे।

मंत्री सुदिव्य कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि राज्य सरकार शहरी क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं के विकास के लिए लगातार प्रयासरत है। उन्होंने बताया कि इन 119 योजनाओं के पूरा होने से शहर में सड़क, नाली, पेयजल और स्ट्रीट लाइट जैसी बुनियादी सुविधाओं का विस्तार होगा, जिससे नागरिकों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी।

मंत्री ने विकास कार्यों की गुणवत्ता पर विशेष जोर दिया। उन्होंने संवेदकों को चेतावनी दी कि कम दर पर टेंडर लेने के बाद भी निर्माण कार्य की गुणवत्ता से कोई समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि 27 प्रतिशत या उससे अधिक कम दर पर टेंडर प्राप्त करने वाले संवेदकों के कार्यों की विशेष निगरानी की जाए ताकि निर्माण कार्य निर्धारित मानकों के अनुरूप हो।

महापौर प्रमिला मेहरा ने कहा कि नगर निगम बोर्ड के गठन के बाद से शहर के समग्र विकास के लिए लगातार योजनाएं बनाई जा रही हैं। उप महापौर सुमित कुमार ने बताया कि नगर निगम नागरिकों की मूलभूत समस्याओं के समाधान के लिए प्रतिबद्ध है और सभी विकास कार्यों को समयबद्ध तरीके से पूरा किया जाएगा। कार्यक्रम के अंत में लोगों ने विकास योजनाओं के शिलान्यास का स्वागत किया। नगर निगम क्षेत्र में 17 करोड़ 39 लाख रुपए की लागत से शुरू होने वाली इन 119 योजनाओं से शहर के विभिन्न वार्डों में आधारभूत सुविधाओं का विस्तार होने और विकास कार्यों को नई गति मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

सोडूको प्रश्न (उत्तर अगले अंक में प्रकाशित होगा)

	7	5		9				6
	2	3		8			4	
8					3			1
5			7		2			
	4		8		6		2	
			9		1			3
9			4					7
	6			7		5	8	
7				1		3	9	

पिछले अंक का उत्तर

1	7	5	2	9	4	8	3	6
6	2	3	1	8	7	9	4	5
8	9	4	5	6	3	2	7	1
5	1	9	7	3	2	4	6	8
3	4	7	8	5	6	1	2	9
2	8	6	9	4	1	7	5	3
9	3	8	4	2	5	6	1	7
4	6	1	3	7	9	5	8	2
7	5	2	6	1	8	3	9	4

चौखट पर हमारी
तुम्हारी
आने की आहट के
इशारे पास आए हैं।
मुश्किलों के बाद
आये सही वो
मंज़र और नज़ारे पास
आए हैं।।
खूयालों से नहीं जाते
निकाले चर्चे समायत
के,
कि गिरते संभलते हम
खुद ही खुद में हारे पास
आए हैं।।

राजकोष में घोटालाःमुनींद्र ने फर्जी आईडी बना 3 करोड़ से अधिक निकाले

रांची। ट्रेजरी घोटाले की जांच कर रही सीआईडी ने पशुपालन विभाग में अवैध निकासी के आरोपी व मास्टरमाइंड निलंबित प्रधान लिपिक मुनींद्र कुमार के खिलाफ सीआईडी की विशेष अदालत में आरोप पत्र दाखिल कर दिया है। जिसमें सीआईडी ने चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। बताया है कि कैसे पशुपालन विभाग में पदस्थापित रहते हुए मुनींद्र कुमार ने तकनीकी खामियों का फायदा उठाया और राज्य के खजाने को करोड़ों का चूना लगाया। आरोपी मुनींद्र के विरुद्ध रांची के कोतवाली थाना, खेलगांव और रामगढ़ थाना में तीन अलग-अलग प्राथमिकियां दर्ज की गई थीं। तीनों मामलों में सीआईडी की जांच जारी है। पशु स्वास्थ्य एवं उत्पादन संस्थान (कांके) में तत्कालीन लेखापाल के पद पर रहते हुए मुनींद्र ने वित्तीय वर्ष 2023-24 से 2025-26 के बीच कुबेर पोर्टल पर पारित होने वाले बिलों में अपने मूल वेतन को अवैध रूप से बढ़ा दिया। आरोपी ने कुबेर पोर्टल पर खुद (टीएमपी/ आरएनसी/ 19520), अपने सहयोगियों, मृत व रिटायर कर्मचारियों के नाम पर फर्जी टेम्पररी आईडी बनाई।

दूसरे यूथ टेस्ट में भारत अंडर-19 की शानदार वापसी, पहले दिन 253/3; कुशाग्र ओझा का शतक, यशवर्धन और मनाल ने भी जमाया रंग

कोलंबो में भारत और श्रीलंका के बीच खेले जा रहे दूसरे यूथ टेस्ट के पहले दिन भारतीय अंडर-19 टीम ने शुरुआती झटकों से उबरते हुए दमदार प्रदर्शन किया। दिन का खेल समाप्त होने तक भारत ने 65 ओवर में 3 विकेट के नुकसान पर 253 रन बना लिए थे। बारिश और खराब रोशनी के कारण पहले दिन का खेल निर्धारित समय से पहले ही रोकना पड़ा। हालांकि शुरुआती दो विकेट बिना कोई रन बने गिर जाने से भारतीय टीम मुश्किल में नजर आ रही थी, लेकिन इसके बाद कप्तान यशवर्धन चौहान, कुशाग्र ओझा और मनाल चौहान की शानदार पारियों ने टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया।

भारतीय पारी की शुरुआत बेहद निराशाजनक रही। सलामी बल्लेबाज लक्ष्य रायचंदानी और सागर विर्क अपना खाता भी नहीं खोल सके। दोनों बल्लेबाज शुरुआती ओवरों में ही पवेलियन लौट गए, जिससे टीम का स्कोर बिना किसी रन के दो विकेट हो गया। इतनी खराब शुरुआत के बाद ऐसा लग रहा था कि भारतीय बल्लेबाजी दबाव में आ जाएगी, लेकिन कप्तान यशवर्धन चौहान ने जिम्मेदारी अपने कंधों पर ली और संयम के साथ पारी को संभाला।

यशवर्धन ने तीसरे विकेट के लिए कुशाग्र ओझा के साथ 122 रन की महत्वपूर्ण साझेदारी की। दोनों बल्लेबाजों ने शुरुआत में सतर्कता दिखाई और फिर ढीली गेंदों का पूरा फायदा उठाया। कप्तान यशवर्धन ने 78 रन की शानदार पारी खेली। उनकी पारी में बेहतरीन टाइमिंग, धैर्य और परिस्थितियों के अनुरूप बल्लेबाजी देखने को मिली। उन्होंने टीम को संकट से बाहर निकालने में अहम भूमिका निभाई।

यशवर्धन के आउट होने के बाद बल्लेबाजी करने आए मनाल चौहान ने भी शानदार आत्मविश्वास का प्रदर्शन किया। उन्होंने पहले से सेट बल्लेबाज कुशाग्र ओझा का बेहतरीन साथ निभाया और दोनों ने चौथे विकेट के लिए नाबाद 131 रन जोड़ दिए। मनाल चौहान दिन का खेल समाप्त होने तक 55 रन बनाकर नाबाद रहे, जबकि कुशाग्र ओझा 103 रन बनाकर क्रीज पर डटे हुए थे।

कुशाग्र ओझा ने दबाव की परिस्थितियों में शानदार शतक जड़कर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। उन्होंने धैर्य और आक्रामकता का बेहतरीन संतुलन दिखाते हुए श्रीलंकाई गेंदबाजों को लगातार दबाव में रखा। उनका यह शतक भारतीय टीम के लिए बेहद महत्वपूर्ण साबित हुआ क्योंकि शुरुआती दो विकेट शून्य पर गिरने के बाद टीम को स्थिरता की जरूरत थी। कुशाग्र ने अपने स्ट्रोक्स से मैदान के चारों ओर रन बटोरे और विपक्षी गेंदबाजों को वापसी का मौका नहीं दिया।

श्रीलंका की ओर से गेंदबाजी में गिमहान मेंडिस सबसे सफल रहे। उन्होंने दो विकेट हासिल किए और शुरुआती सफलता दिलाने में अहम भूमिका निभाई। सेथमिका सेनेविरात्ने ने एक विकेट अपने नाम किया। हालांकि शुरुआती सफलता के बाद श्रीलंकाई गेंदबाज भारतीय बल्लेबाजों पर लगातार दबाव बनाने में सफल नहीं हो सके। कुशाग्र और मनाल की साझेदारी ने मेजबान टीम की रणनीति को पूरी तरह विफल कर दिया।

पहले दिन का खेल समाप्त होने तक भारत मजबूत स्थिति में नजर आ रहा है। टीम के पास अभी सात विकेट शेष हैं और दोनों सेट बल्लेबाज क्रीज पर मौजूद हैं। यदि दूसरे दिन भी यही लय बरकरार रहती है तो भारत पहली पारी में 400 या उससे अधिक का स्कोर खड़ा कर सकता है, जिससे श्रीलंका पर मानसिक और स्कोरबोर्ड दोनों तरह का दबाव बनेगा। इस बीच अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने जून महीने के प्लेयर ऑफ द मंथ पुरस्कारों की

घोषणा भी कर दी है। पुरुष वर्ग में न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज नाथन स्मिथ को यह सम्मान मिला। उन्होंने जून में शानदार गेंदबाजी करते हुए अपनी टीम की सफलता में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

बिजनेस न्यूज

शेयर बाजार में फ्लैट कारोबार, सेंसेक्स 77,700 और निफ्टी 24,250 के आसपास; बैंकिंग व FMCG शेयरों में खरीदारी

सप्ताह के दूसरे कारोबारी दिन मंगलवार, 21 जुलाई को भारतीय शेयर बाजार की शुरुआत लगभग सपाट रही। शुरुआती कारोबार में बीएसई सेंसेक्स 77,700 और **एनएसई निफ्टी 24,250के आसपास कारोबार करते दिखाई दिए। बाजार में उतार-चढ़ाव के बीच बैंकिंग और एफएमसीजी सेक्टर के शेयरों में अच्छी खरीदारी देखने को मिली, जबकि अन्य प्रमुख सेक्टरों में मिश्रित रुख बना रहा।

आज के कारोबार की सबसे बड़ी खबर एसबीआई फंड्स मैनेजमेंटके शेयर की शानदार लिस्टिंग रही। कंपनी का आईपीओ 574 रुपए प्रति शेयर के भाव पर आया था, जबकि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर यह 613.30 रुपए पर सूचीबद्ध हुआ, जो इश्यू प्राइस से करीब 6.85% अधिक है। वहीं बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज पर शेयर 610 रुपए पर सूचीबद्ध हुआ, जो लगभग 6.27% की बढ़त दर्शाता है। निवेशकों ने इस लिस्टिंग का सकारात्मक स्वागत किया।

वैश्विक बाजारों की बात करें तो एशियाई बाजारों में मिला-जुला रुख देखने को मिला। जापान का निक्केइ और दक्षिण कोरिया का कोस्पी बढ़त के साथ कारोबार कर रहे थे, जबकि हैंगसेंग में हल्की गिरावट दर्ज की गई। दूसरी ओर, 20 जुलाई को अमेरिकी बाजार कमजोरी के साथ बंद हुए थे। डाउ जोन्स, नैस्डैक और एसएंडपी 500 तीनों प्रमुख सूचकांकों में गिरावट दर्ज की गई।

घरेलू संस्थागत निवेशक लगातार बाजार को सहारा दे रहे हैं। पिछले सात दिनों में डीआईआई ने 6,021 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे हैं, जबकि विदेशी संस्थागत निवेशकों ने इसी अवधि में 6,439 करोड़ रुपए की बिकवाली की है।

गौरतलब है कि सोमवार, 20 जुलाई को सेंसेक्स 443 अंक टूटकर 77,709 पर और निफ्टी 96 अंक गिरकर 324,239 पर बंद हुआ था। मंगलवार को बाजार फिलहाल स्थिर रुख के साथ कारोबार करता नजर आ रहा है।

चांदी 3159 महंगी होकर 2.22 लाख पर पहुंचीः10 ग्राम सोना 1150 बढ़कर 1.43 लाख का हुआ, इस साल 1.60 लाख तक जा सकता है

नई दिल्ली। सोने-चांदी की कीमतों में आज यानी 21 जुलाई को बढ़त है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के मुताबिक, एक किलो चांदी 3,159 रुपए बढ़कर 2.23 लाख रुपए पर पहुंच गई है। वहीं, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 1,150 रुपए चढ़कर 1.43 लाख रुपए आ गया है।

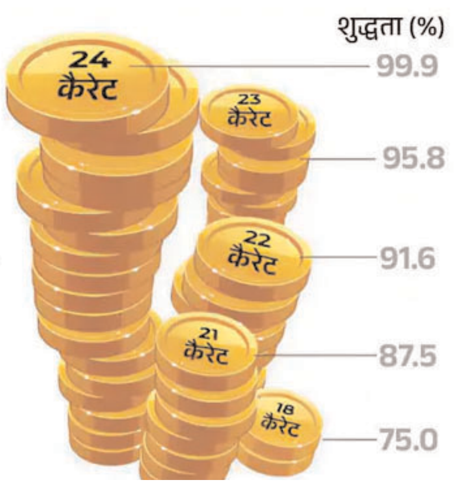

सोना इस साल 10 हजार महंगा हुआ

इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। सोना 2026 में अब तक 10 हजार रुपए महंगा हुआ है। 31 दिसंबर 2025 को 10द्द सोना 1.33 लाख रुपए के ऊपर था, जो अब 1.43 लाख रुपए पर पहुंच गया है।

वहीं, चांदी की कीमत में 7 हजार रुपए की गिरावट है। चांदी 31 दिसंबर 2025 को 2.30 लाख रुपए किलो थी, जो अब 2.23 लाख रुपए पर है। इस दौरान 29 जनवरी को सोने ने 1.76 लाख रुपए और चांदी ने 3.86 लाख रुपए का ऑलटाइम हाई भी बनाया था।

कमोडिटी एक्सपर्ट अजय केडिया के मुताबिक सोने-चांदी के दाम अपने हाई से काफी नीचे आ चुके हैं। ऐसे में निवेशक इसमें निवेश कर सकते हैं, हालांकि इनमें एकमुश्त निवेश करने से बचना चाहिए। अजय केडिया के अनुसार साल के आखिर तक सोना एक बार फिर 1.60 लाख और चांदी 2.80 लाख रुपए तक जा सकती है।

कामधेनू

वास्तु शास्त्र में, कामधेनु को शक्ति व ऊर्जा को बढ़ाने के लिए एक प्रतीक या वस्तु के रूप में उपयोग किया जाता है। यहां वास्तु शास्त्र में कामधेनु का उपयोग कैसे किया जा सकता है, उसके कुछ तरीके हैं :-

1. स्थान : अपने घर या कार्यालय के उत्तर-पूर्व दिशा में कामधेनु की मूर्ति या चित्र रखें। यह मान्यता है कि इससे सकारात्मक ऊर्जा का आमंत्रण होता है और इससे सौभाग्य और अनुकूलता बढ़ती है।

2. पूजा कक्ष : अपने पूजा कक्ष में एक छोटी सी कामधेनु मूर्ति या चित्र रखें। मान्यता है कि इससे धार्मिक रीति व पूजा के दौरान आशीर्वाद और सकारात्मक ऊर्जा आती है।

3. धन कोण : यदि आप वास्तु शास्त्र में धन कोण की संकल्पना का पालन करते हैं, तो अपने धन कोण के नजदीक कामधेनु रखने से वित्तीय समृद्धि और सौभाग्य आकर्षित हो सकते हैं।

4. उपहार : कामधेनु घर की गृहप्रवेश या किसी नए व्यापार की शुरुआत में एक आदर्श उपहार हो सकती है।

ध्यान दें, वास्तु शास्त्र एक कई सिद्धांतों का समन्वय है, और कामधेनु उनमें से केवल एक तत्व है। अपनी विशेष आवश्यकताओं और स्थान के आधार पर वास्तु विशेषज्ञ से परामर्श करना बेहतर होगा।

Vastu Guruji
www.vastuguruji.com
RAJ BHAWAN ROAD, CIVIL LINES, RAIPUR (C.G.) 492001

वर्ल्डकप फाइनल में प्लेयर्स की झड़प की जांच करेगा फीफाः दोषियों पर 3 मैच का प्रतिबंध संभव, स्पेन-अर्जेंटीना के खिलाड़ी भिड़े थे

स्पोर्ट्स डेस्क। फीफा ने फुटबॉल वर्ल्डकप फाइनल के बाद खिलाड़ियों की झड़प की जांच शुरू कर दी है। इसमें दोषी पाए जाने वाले खिलाड़ियों पर कम से कम तीन मैचों का प्रतिबंध लग सकता है।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार डिसिप्लिन कमेटी ने डिसिप्लिनरी एंड एथिक्स प्रॉसीक्यूटर नियुक्त किया है, जो संभावित नियम उल्लंघन की जांच करेगा।

न्यूयॉर्क के न्यू जर्सी स्टेडियम में स्पेन ने अर्जेंटीना को 1-0 से हराया। इसके बाद स्पेन के जश्न के दौरान अर्जेंटीना के लिएंड्रो परेडेस और थियागो अल्माडा, स्पेन के मिडफील्डर गावी से भिड़ गए।

परेडेस पर एरिक गार्सिया की गर्दन पकड़ने का आरोप है। वहीं, नाहुएल मोलिना पर रोड्री की ओर मुक्का चलाने की कोशिश का आरोप है।

इस दौरान निकोलस ओटामेंडी और रोड्री के बीच तीखी बहस हुई। अर्जेंटीना के सहायक कोच रॉबर्टो अयाला और दानी ओल्मो के बीच भी विवाद हुआ।

FIFA अनुशासन संहिता के अनुच्छेद-14 के तहत हिंसक आचरण साबित होने पर खिलाड़ियों को न्यूनतम तीन आधिकारिक मैचों के लिए निलंबित किया जा सकता है। इसके अलावा जुर्माना और अर्जेंटीना फुटबॉल संघ (ख्र) के खिलाफ कार्रवाई भी संभव है।

अर्जेंटीना पर बैनर मामले की जांच भी जारी

अर्जेंटीना पहले से ही इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल के बाद दिखाए गए 'Las Malvinas son Argentinas' (फॉकलैंड/माल्विनास अर्जेंटीना के हैं) बैनर को लेकर FIFA की जांच का सामना कर रहा है। अब फाइनल के बाद हुई झड़प ने टीम की मुश्किलें और बढ़ा दी हैं।

हाईकोर्ट ने IPL क्रिकेटर की गिरफ्तारी के आदेश दिएः डिवाइस जब्त करने को कहा

स्पोर्ट्स डेस्क। कोलकाता हाईकोर्ट ने रेप मामले में **IPL** क्रिकेटर अभिषेक पोरेल की गिरफ्तारी के आदेश दिए हैं। कोर्ट ने मोगरा पुलिस को अभिषेक के इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस जब्त करने का आदेश दिया है। ताकि वे कथित निजी फोटो और वीडियो का आगे प्रसार रोका जा सके।

दरअसल, एक महिला ने अभिषेक पोरेल पर शादी का झांसा देकर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाने और दोनों के निजी पलों की रिकॉर्डिंग करने के आरोप लगाए हैं। इतना ही नहीं, क्रिकेटर पर धमकियां देने के भी आरोप हैं। 23 साल के अभिषेक पोरेल विकेटकीपर बल्लेबाज हैं। वे दिल्ली कैपिटल्स का हिस्सा हैं। दिल्ली ने उन्हें 4 करोड़ रुपए में रीटेन किया था।

अदालत ने कहा-

जांच के दौरान एक पेन ड्राइव जब्त की गई है, जिसमें अहम डिजिटल सामग्री होने की आशंका है। ऐसे में आरोपियों की गिरफ्तारी और उनके इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की जब्ती आवश्यक है, ताकि कथित आपत्तिजनक डेटा को आगे साझा होने से रोका जा सके। शिकायत के अनुसार दोनों की पहचान जनवरी 2023 में हुई थी। महिला का आरोप है कि पोरेल उसे मंकुंडू स्थित अपने फ्लैट में ले गया और शादी का भरोसा देकर शारीरिक संबंध बनाए। बाद में उसे पता चला कि आरोपी का अन्य महिलाओं के साथ भी संबंध था। महिला ने यह भी आरोप लगाया कि उसे अवैध रूप से रोके रखा, खाना नहीं दिया और अलग-थलग रखा गया। शिकायत में कहा गया है कि 2 अप्रैल 2026 को दिल्ली में हुई कथित घटना के बाद उसकी शारीरिक स्थिति बिगड़ गई थी और उसे तत्काल इलाज कराना पड़ा।

शतरंज खिलाड़ी जुडित पोलगर बन सकती हैं हंगरी की राष्ट्रपतिःआनंद-कार्लसन को हराया, 26 साल नंबर-1 रहीं, यंगेस्ट ग्रैंडमास्टर का रिकॉर्ड तोड़ा

स्पोर्ट्स डेस्क। पूर्व शतरंज स्टार जुडित पोलगर हंगरी की राष्ट्रपति बन सकती हैं। उन्हें हंगरी के प्रधानमंत्री पीटर मग्यार ने राष्ट्रपति पद के लिए इन्विटेशन भेजा है। पीएम पीटर ने फेसबुक पोस्ट पर लिखा की वह राष्ट्रपति पद जुडित को सौंपने का प्रस्ताव देंगे।'

49 साल की जुडित दुनिया की सर्वश्रेष्ठ महिला चेस प्लेयर्स में शामिल रहीं। उन्होंने सिर्फ 15 साल 4 महीने की उम्र में ग्रैंडमास्टर बनकर यंगेस्ट प्लेयर का रिकॉर्ड बनाया था। इस साल उनकी जिंदगी पर बनी डॉक्यूमेंट्री 'द क्वीन ऑफ चेस' भी रिलीज हुई। .

महिला वर्ग की बजाय ओपन टूर्नामेंट्स खेले

जुडित सिर्फ 6 साल की उम्र से ही चेस टूर्नामेंट्स खेलने लगी थी। वे करियर में महिला वर्ग खेलने की जगह ओपन टूर्नामेंट्स खेलीं। उन्होंने पुरुष खिलाड़ियों से भी मैच खेले। 2005 में वह विश्व रैंकिंग में आठवें स्थान तक पहुंचीं, जो किसी महिला खिलाड़ी की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग है। वे इकलौती शतरंज महिला खिलाड़ी हैं, जिन्होंने 2700+ येलो रेटिंग का आंकड़ा पार किया।

बॉबी फिशर का रिकॉर्ड तोड़ा, 11 वर्ल्ड चैंपियंस को हराया

पोलगर ने 15 साल 4 महीने की उम्र में ग्रैंडमास्टर बनकर बॉबी फिशर का सबसे कम उम्र में ग्रैंडमास्टर बनने का रिकॉर्ड तोड़ दिया था। उन्होंने गैरी कास्पारोव, विश्वनाथन आनंद, अनातोली कार्पोव, बोरिस स्पास्की और मैग्नस कार्लसन सहित 11 विश्व चैंपियनों को क्लासिकल या रैपिड मुकाबलों में हराया।

रोहित के रिटायरमेंट पर भारतीय कप्तान बोले-हमें कुछ नहीं पताःगिल ने कहा- कुलदीप को पिच के कारण नहीं खिलाया, तीसरा वनडे हारा भारत

लंदन। इंग्लैंड से तीसरा वनडे हारने के बाद भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने रोहित शर्मा के भविष्य पर बात की है। मैच के बाद उनसे पूछा गया कि क्या यह रोहित शर्मा का आखिरी इंटरनेशनल मैच था, तो उन्होंने कहा कि टीम के भीतर इस तरह की कोई चर्चा नहीं हुई है।

गिल ने कुलदीप यादव को पूरे टूर में मौका नहीं देने के फैसले का बचाव किया और इसके पीछे पिच को वजह बताया। लॉर्ड्स स्टेडियम में रविवार को टीम इंडिया को तीसरे वनडे में 27 रन से हारकर भारत ने 1-2 से सीरीज गंवा दी। इस मैच में गिल ने फिफ्टी लगाई। लेकिन, टीम को जीत नहीं दिला सके।

हमें अभी तक कुछ नहीं पता है। रोहित भाई ने हमें कुछ नहीं बताया है। मुझे लगता है कि यह सिर्फ मीडिया में चल रही बातें हैं। टीम में इस विषय पर कोई चर्चा नहीं हुई है।

द इंडियन एक्सप्रेस की एक रिपोर्ट में दावा किया गया था कि 2027 वर्ल्ड कप की तैयारियों को देखते हुए सिलेक्टर्स ने 39 साल रोहित शर्मा को इंग्लैंड सीरीज के बाद के प्लांस के बारे में बताया था। हालांकि, इस पर **BCCI** या रोहित शर्मा की ओर से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। पहले 2 वनडे में नाकाम रहने के बाद रोहित शर्मा ने लॉर्ड्स में 138 रन की शानदार पारी खेली, लेकिन टीम को जीत नहीं दिला सके।

कप्तान गिल ने रोहित शर्मा की बल्लेबाजी की तारीफ की। गिल ने कहा- 'रोहित भाई, जिस तरह गेंदबाजों का सामना कर रहे थे, वे पूरी तरह सहज दिख रहे थे। मैं नॉन-स्ट्राइकर एंड पर था और महसूस कर सकता था कि वह अच्छी लय में हैं। पावरप्ले में हमने आक्रामक खेलने पर बात की थी, लेकिन नई गेंद पर शॉट लगाना आसान नहीं था। इसके बावजूद उन्होंने शानदार बल्लेबाजी की और तेजी से बड़ी पारी खेली।'

इंग्लैंड दौरे में कुलदीप यादव को एक भी मैच खेलने का मौका नहीं मिला। तीसरे वनडे में भी जसप्रीत बुमराह के चोटिल होने के बावजूद भारत ने अतिरिक्त स्पिनर की बजाय पांच गेंदबाजों के साथ उतरना बेहतर समझा। इस फैसले पर गिल ने कहा-

बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना के तहत बालिकाओं के लिए नि:शुल्क केक निर्माण प्रशिक्षण शुरू

पांच दिवसीय प्रशिक्षण से स्वरोजगार एवं आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ेंगी बालिकाएं

बेमेतरा। भारत सरकार की बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत बालिकाओं को कौशल विकास से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महिला एवं बाल विकास विभाग, बेमेतरा द्वारा पांच दिवसीय नि:शुल्क केक निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम एकीकृत बाल विकास परियोजना साजा के अंतर्गत थानखम्हरिया सेक्टर में आयोजित किया जा रहा है।

यह प्रशिक्षण कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई के निर्देशानुसार, जिला कार्यक्रम अधिकारी चन्द्रबेश सिंह सिसोदिया के मार्गदर्शन एवं महिला एवं बाल विकास अधिकारी सी.पी. शर्मा के निर्देशन में संचालित किया जा रहा है। कार्यक्रम का उद्देश्य बालिकाओं को व्यावसायिक कौशल प्रदान कर उन्हें स्वरोजगार के अवसरों से जोड़ना तथा आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर एवं सशक्त बनाना है। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागी बालिकाओं को केक निर्माण की आधुनिक तकनीकों, केक की आकर्षक सजावट, गुणवत्ता बनाए रखने के उपाय, स्वच्छता के मानकों तथा खाद्य सुरक्षा संबंधी आवश्यक जानकारी के साथ व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है। प्रशिक्षण पूर्ण होने के बाद बालिकाएं स्वयं का व्यवसाय प्रारंभ कर आत्मनिर्भर बनने की दिशा में कदम बढ़ा सकेंगी।

प्रशिक्षण के प्रथम दिवस प्रतिभागियों को प्रशिक्षण की रूपरेखा से अवगत कराया गया। साथ ही केक निर्माण में उपयोग होने वाली सामग्री एवं उपकरणों की जानकारी दी गई तथा केक बनाने की प्रारंभिक विधियों का व्यावहारिक प्रदर्शन किया गया। प्रशिक्षकों ने बालिकाओं को नियमित रूप से प्रशिक्षण में भाग लेने, अपने कौशल को निरंतर विकसित करने तथा भविष्य में स्वरोजगार के माध्यम से आर्थिक रूप से सशक्त बनने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में सेक्टर सुपरवाइजर, मिशन शक्ति से जेंडर विशेषज्ञ तमन्ना, सखी वन स्टॉप सेंटर की केंद्र प्रशासक राखी यादव, केक प्रशिक्षक तथा आंगनबाड़ी कार्यकर्ता उपस्थित रहे। अधिकारियों ने बताया कि इस प्रकार के कौशल विकास प्रशिक्षण बालिकाओं में आत्मविश्वास बढ़ाने के साथ-साथ उन्हें रोजगारपरक अवसर उपलब्ध कराने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

सरजू बांधा शमशान घाट के लिए महापौर ने दिए 5 लाख, पाइपलाइन भी हुई दुरुस्त

रायपुर। कृष्ण मित्र फाउंडेशन के अध्यक्ष माधव लाल यादव के नेतृत्व में पदाधिकारियों ने नगर निगम रायपुर की महापौर श्रीमती मीनल चौबे से मुलाकात कर मुक्तिधाम की समस्याओं से अवगत कराया।

फाउंडेशन ने बताया कि मुक्तिधाम का शवदाह शेड काफी समय से क्षतिग्रस्त था जिससे अंतिम संस्कार में बाधा आ रही थी। साथ ही परिसर की पाइपलाइन भी खराब थी।

महापौर ने समस्या को गंभीरता से लेते हुए शेड की मरम्मत के लिए 5,00,000 की राशि तत्काल स्वीकृत कर दी। साथ ही क्षतिग्रस्त पाइपलाइन को भी ठीक करवाया गया। अब गर्मी में पेड़-पौधों की सिंचाई और संस्कार में आने वाले लोगों को पानी की दिक्कत नहीं होगी।

इस जनहितैषी कार्य के लिए फाउंडेशन के प्रतिनिधिमंडल जिसमें उपाध्यक्ष रतन बैद, सचिव गोवर्धन झंवर, संजय चंद्राकर, धन्नू लाल देवांगन, रवि धनगर, राजेश ठाकुर ने महापौर जी के प्रति आभार व्यक्त किया है।

फाउंडेशन के अध्यक्ष माधव लाल यादव ने कहा कि शीघ्र ही निर्माण कार्य प्रारंभ होगा।

पुनर्वास से आत्मनिर्भरता की ओर बीजापुर के पुर्नवासितों ने जाना बस्तर का इतिहास

जगदलपुर । बीजापुर जिले के नक्सल प्रभावित क्षेत्रों से लौटकर समाज की मुख्यधारा में शामिल हुए तथा वर्तमान में नुआ बाट पुनर्वास केंद्र में निवासरत पुर्नवासितों के लिए रविवार का दिन अत्यंत प्रेरणादायक और विशेष रहा। केंद्र में पिछले ढाई महीनों से वेल्डिंग का व्यावसायिक कौशल सीख रहे इन युवाओं को आज जिला प्रशासन की विशेष पहल पर बस्तर के प्रमुख धार्मिक, ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक स्थलों का शैक्षणिक व अध्ययन भ्रमण कराया गया।

इस शैक्षणिक भ्रमण की पृष्ठभूमि जिला पंचायत बस्तर के मुख्य कार्यपालन अधिकारी तन्मय खन्ना के नुआ बाट पुनर्वास केंद्र के प्रथम निरीक्षण के दौरान बनी थी, जब हितग्राहियों ने उनसे संवाद करते हुए अंचल के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व के स्थानों को देखने तथा करीब से समझने की इच्छा जताई थी। युवाओं की इस जिज्ञासा और सकारात्मक सोच को सम्मान देते हुए कलेक्टर आकाश छिकारा के मार्गदर्शन में जिला परियोजना लाइवलीहुड कॉलेज बस्तर द्वारा इस भ्रमण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। दिनभर चले इस भ्रमण के दौरान हितग्राहियों को बस्तर की पौराणिक और ऐतिहासिक धरोहरों से रूबरू होने का अवसर मिला। उन्होंने माँ दंतेश्वरी मंदिर में दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया, तत्पश्चात बस्तर राजमहल और ऐतिहासिक दलपत सागर की प्राकृतिक सुंदरता व इतिहास को जाना। इसके अलावा युवाओं ने भारत का नियाग्रा कहे जाने वाले विश्व प्रसिद्ध चित्रकोट जलप्रपात का आनंद लिया और माँ दंतेश्वरी एयरपोर्ट पहुंचकर बस्तर के आधुनिक विकास व कनेक्टिविटी की रफ्तार को करीब से देखा।

सेवा सेतु पोर्टल की नवीन ई-सेवाओं हेतु अधिकारियों-कर्मचारियों का प्रशिक्षण

जगदलपुर। नागरिकों को शासकीय सेवाओं का त्वरित, पारदर्शी और समयबद्ध लाभ पहुँचाने के उद्देश्य से जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन रविवार को किया गया। कलेक्टोरेट स्थित प्रेरणा हॉल एवं सीजी स्वान वीसी कक्ष में आयोजित इस प्रशिक्षण में सेवा सेतु पोर्टल के माध्यम से प्रारंभ की गई विभिन्न नवीन ई-सेवाओं के संचालन एवं उनकी ऑनलाइन आवेदन प्रक्रियाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। आयोजन में जिले की समस्त ग्राम पंचायतों के सचिव, नगरीय निकायों के अधिकारी-कर्मचारी तथा खाद्य विभाग के राशन कार्ड प्रभारी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

प्रशिक्षण के दौरान ई-गवर्नेंस सोसाइटी के जिला प्रबंधक राकेश भट्ट ने सेवा सेतु पोर्टल पर जोड़ी गई नई नागरिक केंद्रित सेवाओं के संबंध में तकनीकी जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि अब पोर्टल के माध्यम से राशन कार्ड में नया नाम जोड़ने, नाम विलोपन तथा एपीएल एवं बीपीएल राशन कार्ड हेतु आवेदन की सुविधा उपलब्ध करा दी गई है। इसके साथ ही स्थानीय निकायों एवं अन्य विभागों से जुड़ी सेवाएँ जैसे विवाह पंजीकरण प्रमाण पत्र, नवीन ट्रेड लाइसेंस, भवन अनुज्ञा और नल कनेक्शन के आवेदन भी इसी पोर्टल से निष्पादित किए जा सकेंगे। इसके अलावा राजपत्रित ऑर्डर के तहत नाम परिवर्तन तथा आईटीआई स्थानांतरण संबंधी सेवाओं की कार्यप्रणाली से भी मैदानी अमले को अवगत कराया गया।

कार्यक्रम में उपस्थित प्रतिभागियों को ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया, प्रस्तुत दस्तावेजों के सत्यापन तथा विभागीय अनुमोदन की पूरी कार्यप्रणाली का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य सेवा सेतु केंद्रों के माध्यम से आम नागरिकों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं को सुगम बनाना और आवेदनों का समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करना है, ताकि आम जनता को सहूलियत हो सके।

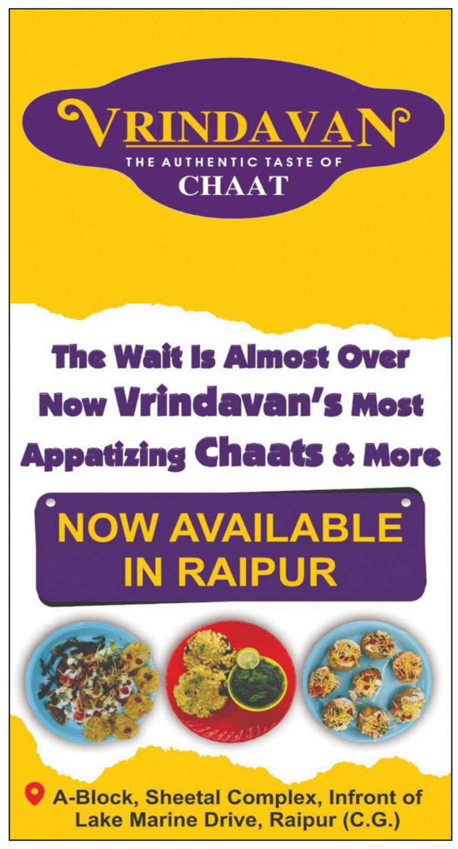

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक - **करण सिंह होरा** द्वारा आसमां पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड. जयस्तंभ चौक रायपुर, जिला-रायपुर (छत्तीसगढ़) से मुद्रित कर लक्ष्मी निवास नल घर चौक, अहमद जी भाई कालोनी रायपुर, जिला रायपुर (छत्तीसगढ़) पिन-492001 से प्रकाशित. **संपादक- करन सिंह होरा** मो. - 9669000000 CHHBIL/2023/88684